PRGI : APHIN/26/A3657

पेन पॉवर

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 1 अंक - 98 रविवार, अक्टूबर 25, 2026 विशाखापट्टनम संपादक: गंट्यादा अप्पाराव पृष्ठों. 4 मूल्य. 1रु

फर्स्ट कॉलम

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने छत्तीसगढ़ में बस्तर दशहरा कार्यक्रम में लिया हिस्सा

जगदलपुर, एजेंसी। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बस्तर दशहरा के अवसर पर छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया और लोगों को संबोधित किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि बस्तर दशहरा छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक गौरव और सामूहिक आस्था का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने इस उत्सव में पूरे समुदाय की भागीदारी को असाधारण बताया। उन्होंने कहा कि इस पर्व की विभिन्न रस्में समाज के अलग-अलग वर्गों के बीच गहरे जुड़ाव और आपसी भाईचारे की भावना को मजबूत करती हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि छत्तीसगढ़ लंबे समय तक नक्सलवाद की समस्या से जूझता रहा है। केंद्र और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों से क्षेत्र को नक्सली हिंसा के खतरे से मुक्त किया गया है और अब यह तेजी से प्रगति कर रहा है।

महाराष्ट्र एटीएस ने जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े एक संदिग्ध को किया गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने मुंबई के माहिम इलाके से 33 वर्षीय एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। उस पर प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने का शक है। आरोपी की पहचान मोहम्मद हसन अबू सरमद अख्तर के रूप में हुई है। उसे एक गुप्त सूचना के आधार पर महाराष्ट्र एटीएस की कालाचौकी यूनिट ने माहिम मेट्रो स्टेशन के पास से पकड़ा। आरोपी रैपिडो राइडर और इत्र विक्रेता के तौर पर काम करने की आड़ में कट्टरपंथी विचारधारा का प्रचार कर रहा था। एटीएस ने बताया कि वह विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए सांप्रदायिक नफरत और राष्ट्र-विरोधी भावनाएं फैलाने की कोशिश कर रहा था। जांच टीम को उसके मोबाइल फोन से ऐसी गतिविधियों से जुड़ी सामग्री भी मिली है।

तीसरी या चौथी बार मिला बम से उड़ाने की धमकी का मैसेज : बीएमसी मेयर रितु तावड़े

मुंबई,एजेंसी। बीएमसी की मेयर रितु तावड़े की ओर से बाइक रैली मिली बम की धमकी, मुंबई में पेड़ों की कटाई, शहर के एक्यूआई और आने वाले दिवाली त्योहार की तैयारियों पर प्रतिक्रिया दी है। बाइक रैली के आयोजन पर ऋतु तावड़े ने कहा सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती से पहले आज मुंबई पुलिस की ओर से 'राष्ट्रीय एकता रैली' आयोजित की गई है। यह महाराष्ट्र सहित पूरे देश में नशा मुक्त अभियान का हिस्सा है। पुलिस की ओर से पूरे मुंबई में जागरुता के लिए बाइक रैली का आयोजन किया गया। बम से उड़ाने की धमकी के सवाल पर रितु तावड़े ने कहा तीसरी या चौथी बार बम से उड़ाने की धमकी का मैसेज महापौर पोर्टल पर आया है। मुंबई पुलिस सुरक्षा व्यवस्था को लेकर काम कर रही है। हम लोगों को सुरक्षित रहने के लिए पुलिस अपना काम कर रही है।

क्षेत्रों में सड़क, पानी, सीवर और अन्य नागरिक सुविधाओं की योजना बनाने में मिलेगी मदद

दिल्ली के 48 गावों में नागरिक सुविधाओं की जरूरत का होगा आंकलन : सीएम गुप्ता

नई दिल्ली,एजेंसी

दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने राजधानी के नियोजित और एकीकृत विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 48 गांवों को शहरीकृत करने का निर्णय लिया है। इसका उद्देश्य इन गांवों की वैधानिक स्थिति को दिल्ली के बदलते शहरी परिदृश्य के अनुरूप बनाना और इनके भविष्य के विकास की बेहतर योजना तैयार करने का आधार उपलब्ध कराना है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि इस निर्णय से संबंधित गांवों में भूमि उपयोग, सड़क संपर्क, सीवर, जलापूर्ति, स्वच्छता और अन्य नागरिक सुविधाओं की जरूरतों पर अधिक व्यवस्थित एवं समन्वित ढंग से विचार करने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह भी कहा कि दिल्ली के गांव हमारी सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक जीवन और विकास यात्रा का अभिन्न हिस्सा हैं। गांवों की खुशहाली, वहां रहने वाले परिवारों के जीवन स्तर में सुधार और उन्हें बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सुनियोजित विकास बेहद जरूरी है।

सरकार का प्रयास है कि दिल्ली का विकास संतुलित, समावेशी और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप हो। 48 गांवों का शहरीकरण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इनमें बकौली, हमीदपुर, पल्ला, कुलकपुर, सिंघोला, सुंगरपुर दिल्ली, सुंगरपुर शाहदरा, ताजपुर कलां, टिहरी दौलतपुर, राजपुर कलां, औचंदी, मुंगेशपुर, शाहपुर गढ़ी, निजामपुर रसिदपुर, चटेसर, पुर दिल्ली, जगतपुर दिल्ली, सुल्तानपुर माजरा, पुर शाहदरा, सबापुर दिल्ली, बदरपुर खादर, बाकीआबाद, खानपुर खानी, जाफराबाद, जगतपुर शाहदरा, बदरपुर माजरा बुराड़ी, फतेहपुर बेरी, चंदनहोला, बदूसराय, देवराला, घुम्मनहेड़ा, जैनपुर, झटिकरा, कांगनहेड़ी, राघोपुर, रावता, शिकारपुर, बिजवासन, नानक हेड़ी, बकरगढ़, ढांसा, गालिबपुर, इस्सापुर, कैर, मुंडेला कलां, मुंडेला खुर्द, सुरखपुर और चक चिल्ला शामिल हैं।

■ **बेहतर तरीके से काम करने का अवसर मिलेगा :** दिल्ली नगर निगम अधिनियम, 1957 की धारा 507(ए) के तहत इन 48 गांवों को शहरीकृत करने का निर्णय लिया जा रहा है। इससे इन गांवों को दिल्ली के शहरी विकास की योजना में शामिल किया जा सकेगा और उनकी भविष्य की जरूरतों का व्यवस्थित आकलन किया जा सकेगा। साथ ही, भूमि के उपयोग, विकास कार्यों के प्रबंधन और सड़क, पानी, सीवर जैसी नागरिक सुविधाओं की जरूरतों पर एक साथ और बेहतर तरीके से काम करने का अवसर मिलेगा। यह प्रक्रिया मास्टर प्लान-2041 के मसौदे के अनुरूप विकास की संभावनाओं को समझने में भी मदद करेगी। हालांकि, विकास कार्य संबंधित योजनाओं, जरूरी वैधानिक मंजूरियों और लागू नियमों के अनुसार ही किए जाएंगे।

■ **संसाधनों के अनुरूप आगे की कार्रवाई करनी होगी :** मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि शहरीकरण के बाद इन गांवों में सड़कों, आंतरिक संपर्क मार्गों और अन्य जरूरी शहरी सुविधाओं की आवश्यकताओं का आकलन और नियोजन करना आसान हो सकेगा। इसी तरह जलापूर्ति, सीवर नेटवर्क, जल निकासी, स्वच्छता और कचरा प्रबंधन से जुड़ी जरूरतों की पहचान कर संबंधित नागरिक एजेंसियां आवश्यक योजनाओं पर विचार कर सकेंगी। इसके अलावा स्ट्रीट लाइट, जल निकासी व्यवस्था, कचरा प्रबंधन और अन्य बुनियादी नागरिक सुविधाओं के संबंध में भी समन्वित योजना बनाने का अवसर मिलेगा। इन सुविधाओं के विकास और विस्तार के लिए संबंधित एजेंसियों को लागू नीतियों, स्वीकृत योजनाओं और उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप आगे की कार्रवाई करनी होगी।

■ **गांवों का दर्जा ग्रामीण से शहरी हो जाएगा :** अधिसूचना जारी होने के बाद संबंधित गांवों का दर्जा ग्रामीण से शहरी हो जाएगा। इससे इन गांवों की शहरी स्थिति और उन पर लागू कानूनी व प्रशासनिक नियमों को लेकर स्पष्टता आएगी। साथ ही, भविष्य में विकास योजनाएं बनाने और उन पर विचार करने के लिए स्पष्ट कानूनी आधार मिलेगा। हालांकि, निर्माण कार्य, जमीन के उपयोग में बदलाव और अन्य विकास गतिविधियों के लिए संबंधित नियमों, भवन विनियमों, स्वीकृत योजनाओं और जरूरी अनुमतियों का पालन करना अनिवार्य होगा।

जियो 1 करोड़ एप्लिकेशन पार करने वाला दुनिया का पहला आईपीओ बना

22.19 गुना सब्सक्राइब होकर बंद हुआ आईपीओ

मुंबई, एजेंसी

देश का सबसे बड़ा आईपीओ जियो प्लेटफॉर्म्स के सब्सक्रिप्शन का शुक्रवार 23 अक्टूबर को आखिरी दिन रहा। यह आईपीओ 22.19 गुना भरा है।

साथ ही जियो 1 करोड़ एप्लिकेशन पार करने वाला दुनिया का पहला आईपीओ बन गया है। जियो आईपीओ को निवेशकों की ओर से बंपर रिस्पॉन्स मिला है और इसके अंतिम सब्सक्रिप्शन आंकड़े बेहद शानदार रहे हैं। कुल मिलाकर यह इश्यू 22.19 गुना सब्सक्राइब होकर बंद हुआ है।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स ने सबसे ज्यादा दिलचस्पी दिखाई, जिनका कोटा रिकॉर्ड 70.55 गुना भर गया। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स का हिस्सा 14.00 गुना और रिटेल इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स का हिस्सा 2.72 गुना सब्सक्राइब हुआ। इसके अलावा, आरक्षित कोटे में भी अच्छी मांग रही, जहां शेयरधारकों ने 7.60 गुना और कर्मचारियों ने 2.93 गुना बोलियां लगाईं। आईपीओ पहले दिन यानी 21 अक्टूबर को ही 3.02 गुना भर गया था। 19.75 करोड़ शेयरों के बदले 59.68 करोड़ शेयरों की मांग आई थी। दूसरे दिन की शुरुआत में संस्थागत निवेशकों की भारी बिडिंग की वजह से यह आंकड़ा 3.50 गुना के पार पहुंच गया। जियो के एक शेयर की कीमत यानी प्राइस बैंड 1,065 रुपए से 1,119 रुपए है।

■ **1377 रुपए पर हो सकती है शेयरों की लिस्टिंग :** लिस्ट होने के पहले कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में 23% यानी 258 रुपए प्रति शेयर के प्रीमियम पर पहुंच गया है। ग्रे मार्केट प्रीमियम यानी जीएमपी के हिसाब से देखें तो अपर प्राइस बैंड 1,119 रुपए के लिहाज से इसकी लिस्टिंग (1119+258=1377 रुपए) 1377 रुपए पर हो सकती है।

■ **एंकर पोर्शन से पहले ही जुटाए 8,110 करोड़ :** जियो इस आईपीओ के जरिये कुल 30,213 करोड़ रुपए जुटा रही है। हालांकि, इश्यू खुलने से ठीक पहले कंपनी ने एंकर इन्वेस्टर्स को शेयर जारी करके 8,110 करोड़ रुपए का फंड जुटा लिया था। एंकर कोटा हटने के बाद प्राइमरी मार्केट में आम जनता और संस्थागत खरीदारों के लिए करीब 22,103 करोड़ रुपए का नेट इश्यू ही रखा गया है, जिस पर लगातार बोलियां लग रही हैं।

राजस्थान : बगरू में एनएच-48 पर ट्रैवलर की ट्रेलर से टक्कर, तीन की मौत, 19 घायल

जयपुर,एजेंसी

राजस्थान के बगरू में शनिवार तड़के राष्ट्रीय राजमार्ग-48 (एनएच-48) पर एक मिनी बस, जिसे आमतौर पर ट्रैवलर कहा जाता है, की ट्रेलर से टक्कर हो गई। पुलिस के अनुसार, हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 19 अन्य घायल हो गए।

जांच अधिकारी लालाराम ने बताया कि पुलिस को रात करीब 2 बजे पुलिस मित्र के जरिए दुर्घटना की सूचना मिली। उन्होंने तुरंत गश्ती दल को सूचित किया और घटनास्थल पर पहुंचे। वहां उन्हें दुर्घटनाग्रस्त वाहन, सड़क पर बिखरा मलबा और टक्कर के बाद लगा भारी जाम मिला। पुलिस अधिकारी के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब मिनी बस दूसरे वाहन को ओवरटेक करने की कोशिश कर रही थी और उससे टकरा गई। घटनास्थल पर चालक नहीं मिला। यात्रियों ने पुलिस को बताया कि चालक वाहन से कूदकर फरार हो गया। तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि तीनों के शव एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाए गए। उन्होंने बताया कि 19 घायलों में से सात को आगे के इलाज के लिए जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल भेजा गया। थाना प्रभारी ने अन्य घायल यात्रियों के लिए परिवहन की व्यवस्था की, जिसके बाद उन्हें उप-जिला अस्पताल ले जाया गया। मिनी बस खाटू श्याम से सालासर की ओर जा रही थी। उसमें सवार यात्री महाराष्ट्र के नासिक के रहने वाले थे। एक घायल यात्री ने बताया कि हादसा जयपुर से करीब 20 से 30 किलोमीटर आगे हुआ। यात्री ने आरोप लगाया कि जब सभी लोग सो रहे थे, उसी दौरान चालक वाहन से कूदकर भाग गया।

टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग में इस्तेमाल हुए 2 पिस्टल सूरत से बरामद

मुंबई,एजेंसी। अभिनेता टाइगर श्रॉफ के ऊपर हुई फायरिंग में इस्तेमाल किए गए 2 पिस्टल को आखिरकार मुंबई क्राइम ब्रांच ने बरामद कर लिया है। क्राइम ब्रांच ने सूरत से दो पिस्टल को बरामद करके उसे जब्त कर लिया है। हालांकि इन हथियारों की बरामदगी किसी अज्ञात जगह या शख्स के पास से हुई है, यह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। शूटरों ने वारदात को अंजाम देने के बाद फरार होने के दौरान इन पिस्टल को सूरत में छिपा दिया था। इस बरामदगी के बाद अब पुलिस इन हथियारों को जांच के लिए फोरेंसिक लैब भेजेगी।

आईटीबीपी स्थापना दिवस पर पीएम बोले-

सीमाओं की रक्षा में जवानों की वीरता, निस्वार्थ सेवा और बलिदान राष्ट्र के लिए प्रेरणादायक

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के स्थापना दिवस पर जवानों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने देश के प्रति असाधारण वीरता, समर्पण और निस्वार्थ सेवा के लिए 'हिमवीरों' की सराहना की।

सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने चुनौतियों का सामना करने के लिए बल के अटूट संकल्प का उल्लेख किया और कहा कि उनके बलिदान देश के लिए बड़ी प्रेरणा हैं। आईटीबीपी के स्थापना दिवस पर बल के सभी जवानों को शुभकामनाएं। आईटीबीपी के हिमवीरों ने अपनी असाधारण वीरता से अलग पहचान बनाई है। उन्होंने उल्लेखनीय दृढ़ संकल्प के साथ हर चुनौती का सामना किया है। उनकी निस्वार्थ सेवा और बलिदान देश के लिए बहुत बड़ी प्रेरणा हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के स्थापना दिवस पर जवानों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अत्यंत कठिन मौसम और परिस्थितियों में सीमाओं की रक्षा करने तथा आंतरिक सुरक्षा में योगदान देने के लिए बल की सराहना की। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में रक्षा मंत्री ने वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ अभियानों सहित आंतरिक सुरक्षा अभियानों में 'हिमवीरों' की वीरता, पेशेवर दक्षता और महत्वपूर्ण योगदान की प्रशंसा की।

लिकटेंस्टाइन के प्रिंस एलोइस आज से भारत यात्रा पर

नई दिल्ली,एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर, लिकटेंस्टीन रियासत के कार्यवाहक राष्ट्राध्यक्ष, हेरेडिटरी प्रिंस (वंशानुगत राजकुमार) एलोइस 25 से 28 अक्टूबर 2026 तक भारत की राजकीय यात्रा पर आएंगे। उनके साथ उनकी पत्नी, हेरेडिटरी प्रिंसेस सोफी, एक उच्च-स्तरीय आधिकारिक और कारोबारी प्रतिनिधिमंडल भी होगा।

भारत के विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान जारी कर इसकी आधिकारिक जानकारी दी। इसमें बताया गया कि यह 2026 में प्रिंस एलोइस दूसरी बार भारत आ रहे हैं। इससे पहले, वे फरवरी 2026 में 'एआई इम्पैक्ट समिट' में शामिल होने के लिए नई दिल्ली आए थे। हालांकि 2010 और 2018 में भी वो भारत का दौरा कर चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी और प्रिंस एलोइस के बीच द्विपक्षीय बैठक भी होगी।

आंध्र प्रदेश में डंपर में डीजल भरते समय लगी आग, पांच मजदूरों की गई जान

पिनाकोटा, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में सड़क निर्माण स्थल पर आग लगने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। यह घटना संभवत: एक डंपर ट्रक में ईंधन भरते समय हुई। यह जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को दी। पुलिस अधीक्षक अमित बरदार ने बताया कि यह घटना अनंतगिरी मंडल के पिनाकोटा गांव में हुई। चूंकि यह जगह मुख्य इलाके से लगभग 100 किलोमीटर दूर है, इसलिए यहां काम करने वाले मजदूर अक्सर वाहनों में ईंधन भरने के लिए ड्रमों में डीजल लाते हैं।

नौसेना के 282 अग्निवीरों को पुलिस कांस्टेबल के पद पर नियुक्ति दी गई

महाराष्ट्र पुलिस में सेना और वायुसेना के अग्निवीरों को भी मिलेगी भर्ती : सीएम फडणवीस

मुंबई,एजेंसी

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की कि महाराष्ट्र पुलिस में शामिल होने के इच्छुक किसी भी अग्निवीर को पुलिस बल में भर्ती किया जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि सरकार सेना और वायुसेना के अग्निवीरों को राज्य पुलिस बल में शामिल होने के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगी।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि अग्निवीरों का पहला बैच नौसेना से आया था और सरकार ने उन सभी को राज्य की तटीय सुरक्षा इकाई में शामिल कर लिया है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से तटीय सुरक्षा मजबूत होगी, क्योंकि इन जवानों को व्यापक प्रशिक्षण मिला है और उन्होंने सीमाओं के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में भी सेवा दी है। फडणवीस ने आगे बताया कि राज्य सरकार इन सभी अग्निवीरों को सफलतापूर्वक सेवा में शामिल कर चुकी है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा व्यापक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले अग्निवीर अल्पकालिक सेवा आयोग के तहत सेवा दे रहे हैं। महाराष्ट्र सरकार ने निर्णय लिया है कि इनमें से जो भी महाराष्ट्र पुलिस में शामिल होना चाहते हैं, उन्हें पुलिस बल में भर्ती किया जाएगा। हमें नौसेना से पहला बैच प्राप्त हुआ था और हमने उन सभी को अपनी तटीय सुरक्षा इकाई में शामिल कर लिया है। इससे हमारी तटीय सुरक्षा मजबूत होगी, क्योंकि उन्होंने व्यापक प्रशिक्षण प्राप्त किया है और सीमाओं के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में भी सेवा दी है।

नियमों में आवश्यक बदलाव किए गए हैं

राज्य में उनकी नियुक्ति के आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। फडणवीस ने आगे बताया कि जवानों की पहली सूची को केंद्र सरकार ने मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा बहुत अच्छी खबर! हमने देश के लिए लड़ने वाले अग्निवीरों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने का निर्णय राज्य मंत्रिमंडल में लिया था। इसके अनुसार, नियमों में आवश्यक बदलाव किए गए हैं और अब 282 अग्निवीरों की नियुक्ति को मंजूरी मिल गई है। महाराष्ट्र राज्य के निवासी नौसेना के 282 अग्निवीरों की पहली सूची राज्य सरकार को केंद्र सरकार से प्राप्त हुई थी।

कट्टरपंथ और आतंकवादी गतिविधियों की फंडिंग रोकने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई

भारत और उज्बेकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ सहयोग बढ़ाएंगे

नई दिल्ली,एजेंसी

भारत और उज्बेकिस्तान ने आतंकवाद से मुकाबला करने के लिए द्विपक्षीय सहयोग मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। भारत के विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने नई दिल्ली में उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अधिकारी पिरिमकुलोव गुलोमजोन शोडमोनकुलोविच से मुलाकात की।

यह बैठक भारत-उज्बेकिस्तान आतंकवाद विरोधी संयुक्त कार्य समूह की 10वीं बैठक के बाद हुई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्रालय में दक्षिण एशियाई, निकट पूर्व, मध्य पूर्व और अफ्रीकी देशों के साथ सहयोग विभाग के प्रमुख तथा भारत-उज्बेकिस्तान आतंकवाद विरोधी संयुक्त कार्य समूह के सह-अध्यक्ष पिरिमकुलोव गुलोमजोन शोडमोनकुलोविच से मुलाकात की। जायसवाल ने आगे कहा दोनों पक्षों ने आतंकवाद से मुकाबले में भारत और उज्बेकिस्तान के सहयोग तथा आपसी हित के अन्य मुद्दों पर चर्चा की।

उन्होंने द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इससे पहले, बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट में जायसवाल ने बताया था कि भारत-उज्बेकिस्तान आतंकवाद विरोधी संयुक्त कार्य समूह की 10वीं बैठक 22 अक्टूबर, 2026 को नई दिल्ली में आयोजित की गई थी। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बैठक की सह-अध्यक्षता विदेश मंत्रालय में आतंकवाद विरोधी मामलों के अतिरिक्त सचिव सुहेल एजाज खान और उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्रालय के दक्षिण एशियाई, निकट पूर्व, मध्य पूर्व तथा अफ्रीकी देशों के साथ सहयोग विभाग के प्रमुख पिरिमकुलोव गुलोमजोन शोडमोनकुलोविच ने की। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने दुनिया और अपने-अपने क्षेत्रों में आतंकवादी संगठनों से उत्पन्न खतरों पर चर्चा की।

ईरान तक जीवनरक्षक दवाएं पहुंचाने में मदद कर रहा भारत

क्षेत्र में जारी संघर्ष के कारण उड़ानों में बाधा आने के बावजूद भारत मानवीय सहायता के तौर पर ईरान तक जीवनरक्षक दवाएं पहुंचाने में मदद कर रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि आवश्यक जीवनरक्षक दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भारतीय अधिकारी ईरान के अधिकारियों के लगातार संपर्क में हैं। हम ईरान तक जीवनरक्षक दवाएं पहुंचाने में मदद करना जारी रखे हुए हैं। जैसा कि आप जानते हैं, क्षेत्र में जारी संघर्ष के कारण दोनों देशों के बीच हवाई संपर्क को लेकर नई चुनौतियां पैदा हुई हैं। हम मानवीय सहायता के तौर पर जीवनरक्षक दवाओं की आपूर्ति में सुविधा देने के लिए अपने ईरानी समकक्षों के संपर्क में बने हुए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दुशांबे में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शासनाध्यक्षों की बैठक से इतर ईरान के प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद रजा आरिफ से मुलाकात की थी। सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर आरिफ के साथ एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा दुशांबे में एससीओ शासनाध्यक्षों की बैठक से इतर ईरान के प्रथम उपराष्ट्रपति महामहिम मोहम्मद रजा आरिफ से मिलकर खुशी हुई।

संपादकीय

आखिर क्यों धधक रहा है फ्रांस और अन्य यूरोपीय देश?

भले ही फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों की परिस्थितियाँ भी एक जैसी नहीं हैं। इसलिए यह देखना आवश्यक है कि अशांति किन कारणों से भड़कती है, पुलिस की कार्रवाई कहाँ कठिन हो जाती है और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करते हुए हिंसा रोकने के लिए कौन-से उपाय प्रभावी हो सकते हैं। यूरोप में हिंसक विरोध-प्रदर्शनों, दंगों, आगजनी और पुलिस के साथ टकराव को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर नहीं समझा जा सकता। चूंकि इसके पीछे आर्थिक असंतोष, सामाजिक विभाजन, आव्रजन और एकीकरण की बहस, राजनीतिक ध्रुवीकरण, युवाओं में भविष्य को लेकर चिंता तथा पुलिस और नागरिकों के बीच विश्वास का संकट जैसे कई कारक हो सकते हैं। लेकिन एक बुनियादी अंतर समझना जरूरी है, वह यह कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतांत्रिक अधिकार है, जबकि आगजनी, लूटपाट, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और लोगों पर हमले अपराध हैं। किसी प्रदर्शन में हिंसा होने का अर्थ यह नहीं कि उसमें शामिल हर व्यक्ति हिंसक है या पूरा समुदाय उसके लिए जिम्मेदार है। शायद इसी भ्रम में देश के देश जल रहे हैं और पुलिस तत्काल बहुत कुछ कर नहीं पाती। इससे आत्ताइयों के हौसले बुलंद हैं और लोकतांत्रिक सोच अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रही है। भले ही फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों की परिस्थितियाँ भी एक जैसी नहीं हैं। इसलिए यह देखना आवश्यक है कि अशांति किन कारणों से भड़कती है, पुलिस की कार्रवाई कहाँ कठिन हो जाती है और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करते हुए हिंसा रोकने के लिए कौन-से उपाय प्रभावी हो सकते हैं। स सवाल है कि अक्टूबर 2026 में फ्रांस में वास्तव में क्या हो रहा है? तो जवाब होगा कि फ्रांस में सितंबर के अंत से शुरू हुआ छात्र आंदोलन अक्टूबर में व्यापक अशांति में बदल गया। प्रारंभिक असंतोष स्कूलों की खराब सुविधाओं, शिक्षकों की कमी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी शिकायतों को लेकर था। बाद में महँगाई, जीवन-यापन की बढ़ती लागत और सार्वजनिक सेवाओं की स्थिति जैसे मुद्दे भी आंदोलन से जुड़ गए। आखिर पेरिस सहित कई शहरों में लूटपाट, तोड़फोड़ और पुलिस से टकराव हुए। सरकार को बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात करने पड़े और कुछ क्षेत्रों में रात्रिकालीन कर्फ्यू प्रतिबंध लगाए गए। फ्रांसीसी अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों और हिंसा के पूर्वानुमान में कमियों को भी स्वीकार किया। इसी समय इटली में भी जीवन-यापन की लागत, कम वेतन और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़ी शिकायतों के बीच प्रदर्शन हिंसक हुए। स्पेन और पुर्तगाल में आवास की समस्या को लेकर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। हालांकि, इन सभी घटनाओं के कारण और उनका स्वरूप अलग-अलग हैं। पहला, महँगाई, आवास और आर्थिक असुरक्षा- जब किराया, ऊर्जा, परिवहन और रोजमर्रा के खर्च बढ़ते हैं, लेकिन आय और रोजगार के अवसर उसी गति से नहीं बढ़ते, तो लोगों में व्यवस्था के प्रति नाराजगी बढ़ सकती है। युवाओं के लिए अच्छी शिक्षा, रोजगार और स्वतंत्र जीवन की संभावनाएँ सीमित महसूस होना इस असंतोष को और बढ़ा सकता है। दूसरा, सार्वजनिक सेवाओं पर दबाव- स्कूलों में शिक्षकों की कमी, जर्जर सुविधाएँ और स्थानीय सेवाओं की कमजोर स्थिति नागरिकों को यह महसूस करा सकती है कि उनकी समस्याओं को पर्याप्त प्राथमिकता नहीं मिल रही। फ्रांस के हालिया आंदोलन में शिक्षा से जुड़ी शिकायतें शुरुआती मुद्दों में शामिल थीं। तीसरा, सामाजिक अलगाव और अवसरों में असमानता कुछ शहरी और वंचित इलाकों में रोजगार, शिक्षा और सामाजिक उन्नति के अवसरों की कमी असंतोष को गहरा सकती है। यदि नागरिकों को लगता है कि संस्थाएँ उनकी बात नहीं सुनतीं या उनके साथ भेदभाव होता है, तो राज्य पर भरोसा कमजोर पड़ सकता है। लेकिन इसे हर उपद्रव का एकमात्र कारण मानना उचित नहीं होगा। चौथा, राजनीतिक ध्रुवीकरण और आंदोलन का हिंसक हो जाना किसी जायज मांग के साथ बड़ी संख्या में लोग शांतिपूर्वक जुट सकते हैं, लेकिन कुछ समूह उसी भीड़ का इस्तेमाल तोड़फोड़, लूटपाट या पुलिस को उकसाने के लिए कर सकते हैं। सोशल मीडिया पर तेजी से फैलने वाली तस्वीरें और संदेश भी तनाव बढ़ा सकते हैं। आंदोलन की मांगों और हिंसा करने वाले व्यक्तियों की जिम्मेदारी को अलग-अलग समझना जरूरी है। पाँचवाँ, आव्रजन और राष्ट्रीय पहचान पर विवाद यूरोप के अनेक देशों में आव्रजन, शरणार्थियों के एकीकरण, राष्ट्रीय पहचान और सार्वजनिक संसाधनों के वितरण पर राजनीतिक बहस चलती रही है। ये विवाद ध्रुवीकरण बढ़ा सकते हैं, लेकिन फ्रांस की अक्टूबर 2026 की हिंसा के लिए किसी विशेष धार्मिक या प्रवासी समुदाय को जिम्मेदार ठहराने के पर्याप्त प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। महत्त्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि आर्थिक असंतोष हिंसा की पृष्ठभूमि तैयार कर सकता है, लेकिन वह हिंसा को उचित नहीं ठहराता। इसी प्रकार, किसी अपराधी की पहचान या पृष्ठभूमि के आधार पर पूरे समुदाय को दोषी ठहराना भी तथ्यपरक समाधान नहीं है। स सवाल है कि उत्पाती और हिंसक भीड़ पर नियंत्रण में पुलिस क्यों पिछड़ जाती है? तो जवाब होगा कि यह इस पूरे संकट का सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू है। अक्टूबर 2026 की फ्रांसीसी घटनाओं में पुलिस की विफलता के कुछ ठोस कारण सामने आए हैं। इन्हें केवल पुलिस की कमजोरी या इच्छाशक्ति की कमी कह देना अधूरा विश्लेषण होगा। एक, खुफिया आकलन और तैयारी में चूक- फ्रांस में 17 अक्टूबर के प्रदर्शनों के लिए भीड़ का अनुमान वास्तविक संख्या से काफी कम रहा। आंतरिक मंत्रालय के शुरुआती अनुमान लगभग 60,000, 110,000 प्रदर्शनकारियों के थे, जबकि बाद में संशोधित अनुमान 200,000 तक पहुँचे और मंत्रालय ने वास्तविक उपस्थिति लगभग 550,000 बताई। यह सरकारी अनुमान है, स्वतंत्र रूप से सत्यापित अंतिम गणना नहीं। इतनी बड़ी भीड़ के बीच हिंसा करने वाले छोटे समूहों की पहचान और सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा कठिन हो जाती है। दो, पुलिस बल की तैनाती और संसाधनों का असंतुलन- यदि कई शहरों में एक साथ हिंसा फैलती है, तो पुलिस को लोगों की सुरक्षा, दुकानों की रक्षा, यातायात नियंत्रण और हिंसक घटनाओं पर कार्रवाई जैसे अनेक काम करने पड़ते हैं। फ्रांस की हालिया घटनाओं में पुलिसकर्मियों की संख्या और तैनाती के समय को लेकर भी सवाल उठे। तीन, शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी और हिंसा करने वाले एक ही भीड़ में-पुलिस के सामने यह कठिन चुनौती रहती है कि हिंसा करने वालों पर कार्रवाई करते हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों और आसपास के आम नागरिकों को नुकसान से कैसे बचाया जाए। जल्दबाजी में की गई कार्रवाई तनाव बढ़ा सकती है, जबकि देर करने पर तोड़फोड़ और लूटपाट का दायरा बढ़ सकता है। चार, पुलिस की कठोर कार्रवाई के कानूनी और सामाजिक परिणाम- फ्रांस में प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग की आवश्यकता, उसकी आनुपातिकता और कुछ पुलिसकर्मियों के आचरण को लेकर जाँच चलती रही है। अक्टूबर में छात्र प्रदर्शनों से जुड़े मामलों में पुलिस के कथित अनुचित आचरण की 18 आंतरिक जाँचें शुरू होने की खबर आई। इसका अर्थ यह नहीं कि हर पुलिस कार्रवाई गलत थी। लेकिन बल का अनुचित प्रयोग नागरिकों का भरोसा घटा सकता है और तनाव बढ़ा सकता है। पांच, पुलिस थकान, समन्वय और बदलती परिस्थितियाँ लगातार कई दिनों तक आंदोलन चलने पर पुलिसकर्मियों की उपलब्धता, स्थानीय इकाइयों और विशेष प्रशिक्षित बलों के बीच समन्वय तथा बदलती परिस्थितियों के अनुसार रणनीति बदलने की क्षमता महत्त्वपूर्ण हो जाती है। फ्रांस की घटनाओं में इन पहलुओं पर भी सवाल उठे हैं। स सवाल है कि क्या पुलिस को और अधिक कठोर बना देना ही समाधान है? तो जवाब होगा कि नहीं, सवाल केवल कठोरता का नहीं बल्कि समय पर कार्रवाई, निश्चित जवाबदेही, कानून का समान अनुपालन और सही रणनीति का है। यूरोप की परिषद की संसदीय सभा की 2025 की रिपोर्ट में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच संवाद, मध्यस्थता, विशेष प्रशिक्षण, नागरिकों के भरोसे और बल के सीमित व आनुपातिक उपयोग पर जोर दिया गया था। रिपोर्ट ने यह भी रेखांकित किया कि कुछ आंदोलनों में संगठित हिंसक समूह शांतिपूर्ण विरोध को बिगाड़ सकते हैं। पुलिस प्रशासन को तीन परिस्थितियों में अंतर करना चाहिए एक, उपयुक्त प्रशासनिक दृष्टिकोण शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा, संवाद और प्रदर्शन के अधिकार की रक्षा।

कट्टरपंथियों के चक्र में लोकतंत्र : जनता और संविधान कहाँ हैं?

भारतीय लोकतंत्र की बुनियाद किसी धर्म, जाति, भाषा या राजनीतिक विचारधारा पर नहीं, बल्कि जनता और संविधान पर टिकी है। संविधान की प्रस्तावना के पहले ही शब्द हैं– 'हम भारत के लोग।' यह केवल एक औपचारिक वाक्य नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है जिसका अभिप्राय यह हैं कि सत्ता का अंतिम स्रोत जनता है और सत्ता के संचालन की अंतिम मर्यादा संविधान हैं, लेकिन जब राजनीति में धर्म, जाति और पहचान के नाम पर भावनाओं को इस सीमा तक उभारा जाने लगे कि नागरिक अपने संवैधानिक अधिकारों से पहले अपनी धार्मिक या जातीय पहचान को देखने लगे। राजनीतिक दलों के कुछ लोग ऐसे कट्टरपंथी विचारों और प्रवृत्तियों को जानते-बूझते हुए भी स्वीकार करते, उनका बचाव करते या उन्हें राजनीतिक लाभ के लिए मौन समर्थन देते दिखाई देते हैं और अधिक चिंता की बात यह है कि वे यह जानते हुए भी ऐसा करते हैं कि लोककल्याणकारी, संवैधानिक, लोकतांत्रिक, पंथनिरपेक्ष और सामाजिक समानता पर आधारित राजनीति ही भारत के लोकतांत्रिक चरित्र की मूल पहचान है। कट्टरपंथ इसके ठीक विपरीत खड़ा होता है क्योंकि वह नागरिकों को उनकी साझा नागरिकता से जोड़ने के बजाय धर्म, जाति और पहचान के खाँचों में बाँटता है, असहमति को संवाद का अवसर मानने के बजाय विरोध और शत्रुता का रूप देता है तथा सामाजिक विश्वास को कमजोर करता है। लेकिन सावधानी यहां यह रखनी होगी कि धार्मिक आस्था, सामाजिक न्याय, जातीय प्रतिनिधित्व या सांस्कृतिक अधिकारों की लोकतांत्रिक माँग को कट्टरपंथ कहना भी उतना ही अनुचित है, जितना घृणा, हिंसा, श्रेष्ठता और असहमति के दमन को केवल राजनीतिक पहचान के कारण उचित ठहराना।चुनावी गणित के लिए कट्टरता को सहन करना अल्पकालिक लाभ दे सकता है, लेकिन दीर्घकाल में यही प्रवृत्ति लोकतांत्रिक संस्थाओं, सामाजिक सद्भाव और नागरिक स्वतंत्रता के लिए नुकसानदेह सिद्ध होती है, इसलिए कट्टरपंथी राजनीति के बढ़ते प्रभाव को केवल राजनीतिक रणनीति मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि लोकतंत्र की शक्ति किसी एक पहचान की विजय में नहीं, बल्कि विभिन्न पहचानों के शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व में है। राजनीतिक कट्टरपंथी किसी एक धर्म, जाति या समुदाय की समस्या नहीं है। यह मूलतः ऐसी मानसिकता है, जिसमें अपनी विचारधारा, आस्था, पहचान या राजनीतिक विश्वास को अंतिम सत्य मान लिया जाता है और असहमति को दुश्मनी समझा जाने लगता है। वहाँ संवाद की जगह टकराव, तर्क की जगह उत्तेजना, सह-अस्तित्व की जगह वर्चस्व और प्रश्न करने की जगह अंध-समर्थन ले लेता है। कट्टरपंथ की शुरुआत कई बार 'हम' और 'वे' जैसे शब्दों से शुरू करके लोगों की बीच दीवार खड़ी करके की जाती हें और इसकेलिए समुदाय को खतरे में बताया जाता है तथा बातों को बल देने के लिए इतिहास के घावों को वर्तमान की राजनीति से जोड़ा जाता है और धीरे-धीरे नागरिकों को भावनात्मक खेमों में बाँट दिया जाता है। यहीं से कट्टरपंथी राजनीति को जमीन मिलती है क्योंकि ऐसे राजनीतिक कंटटरपंथी यह जानते हैं कि जनता के वास्तविक प्रश्नों जैसे रोजगार पैदा करना, शिक्षा की गुणवत्ता सुधारना, स्वास्थ्य सेवाएँ मजबूत करना, किसानों और मजदूरों की स्थिति सुधारना, महँगाई से राहत देना, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना और कानून-व्यवस्था को प्रभावी बनाना, का समाधान कठिन है क्योंकि इन सबके लिए निरंतर प्रयास और जवाबदेही चाहिए, इसके विपरीत धर्म, जाति, पहचान और भय के मुद्दे भावनाओं को तेजी से प्रभावित करते हैं, इसलिए जब राजनीति विकास और शासन के कठिन प्रश्नों से बचना चाहती है, तब कंटटरपंथी का भाव जनमानस पैदा करना राजनीति एक आसान हथियार बन जाती है। आज कट्टरपंथी राजनीति का बढ़ता चलन केवल चुनावी भाषणों तक सीमित नहीं है। वह सामाजिक विमर्श, सोशल मीडिया, राजनीतिक संगठनों और रोजमर्रा की भाषा तक पहुँच गया है। कभी धर्म को खतरे में बताया जाता है, कभी जाति को, कभी संस्कृति को और कभी राष्ट्र को, फिर उसी भय के आधार पर लोगों को समझाया जाता है कि यदि 'हम' सत्ता में नहीं आए तो 'वे' सब कुछ छीन लेंगे, भय से पहचान पैदा होती है, पहचान से लामबंदी, लामबंदी से वोट और वोट से सत्ता और सत्ता मिलने के बाद भी वही भावनात्मक मुद्दे जीवित रखे जाते हैं, ताकि अगली राजनीतिक लड़ाई के लिए वही विभाजन फिर काम आ सके, यही कट्टरपंथी राजनीति का चक्र है। इस

राजनीति का सबसे खतरनाक परिणाम यह है कि नागरिक को नागरिक के रूप में देखने के बजाय उसे किसी धर्म, जाति या राजनीतिक खेमे के सदस्य के रूप में देखा जाने लगता है। मतदाता से यह पूछने के बजाय कि उसे रोजगार चाहिए या नहीं, शिक्षा कैसी है, अस्पताल में इलाज मिलता है या नहीं, किसान की स्थिति क्या है और महँगाई का असर कितना है कि उसकी पहचान को राजनीतिक पूँजी बना दिया जाता है। परिणाम यह होता है कि जिन समस्याओं से हर परिवार प्रभावित है, वे पीछे चली जाती हैं और पहचान की लड़ाई आगे आ जाती है। कट्टरपंथ का बढ़ना समाज के भीतर विश्वास को कमजोर करता है। पहले शब्दों में कठोरता आती है, फिर विरोधी के प्रति असम्मान, उसके बाद अफवाह और घृणा का प्रसार और अंततः कभी-कभी हिंसा। धार्मिक जुलूसों में टकराव, सोशल मीडिया पर भड़काऊ सामग्री, पहचान के आधार पर भीड़ की हिंसा और राजनीतिक विरोधियों के प्रति धमकियाँ लोकतांत्रिक समाज के लिए चेतावनी हैं। हर घटना को एक ही रंग देना उचित नहीं, लेकिन इन घटनाओं के पीछे उभरती मानसिकता को नजरअंदाज करना भी खतरनाक है। जब कानून का स्थान भीड़ का निर्णय लेने लगे, तब लोकतंत्र कमजोर होने लगता है। इसी खतरे को राजनीतिक चिंतकों ने अलग-अलग संदर्भों में समझाया है। एडमंड बर्क और माइकल ओकशॉट के चिंतन में यह चेतावनी मिलती है कि राजनीतिक और सामाजिक परिवर्तन यदि अत्यधिक उग्रता तथा अचानक किए गए प्रयोगों का रूप ले लें, तो वे समाज में अराजकता और हिंसा को जन्म दे सकते हैं। इसी संदर्भ में हन्ना अरेंट का चिंतन एक और गंभीर चेतावनी देता है। अपनी प्रसिद्ध पुस्तक The Origins of Totalitarianism में उन्होंने बताया कि राजनीतिक कट्टरपंथ जब अपनी चरम सीमा पर पहुँचता है, तो वह सर्वसत्तावाद का रूप ले सकता है। नाज़ीवाद और फासीवाद इसके भयावह उदाहरण हैं। अरेंट का चिंतन चेताता है कि जब स्वतंत्र विचार, असहमति और संस्थागत नियंत्रण कमजोर पड़ते हैं तथा राजनीतिक उन्माद सर्वोच्च मूल्य बन जाता है, तब लोकतंत्र के भीतर से ही अधिनायकवाद के लिए रास्ता खुल सकता है। कट्टरपंथ की यही यात्रा जब संगठित हिंसा और भय पैदा करने वाली विचारधारा से जुड़ती है, तो उसका सबसे वीभत्स रूप आतंकवाद सामने आता है। निर्दोष नागरिकों की हत्या, बम विस्फोट, अपहरण, हथियारों का इस्तेमाल और समाज में भय फैलाना उसके चरम रूप हैं। कट्टरपंथी राजनीति का सबसे अधिक प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ता है। युवा को रोजगार, शिक्षा, कौशल और अवसर चाहिए, लेकिन यदि उसे भविष्य के निर्माण की जगह अतीत की नफरत में उलझा दिया जाए, तो उसकी ऊर्जा समाज के निर्माण के बजाय संघर्ष में खर्च होने लगती है। सोशल मीडिया ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। एक झूठी खबर कुछ ही मिनटों में हजारों लोगों तक पहुँच सकती है और उत्तेजक सामग्री तर्कपूर्ण संवाद से कहीं अधिक तेजी से फैल सकती है। माता-पिता और समाज की जिम्मेदारी भी यहाँ महत्वपूर्ण है। बच्चों को धर्म से दूर करने की आवश्यकता नहीं, बल्कि धर्म के नाम पर घृणा से दूर रखने की आवश्यकता है। उन्हें अपनी परंपरा से प्रेम करना सिखाया जाए, लेकिन दूसरी परंपरा का अपमान नहीं; अपनी जाति या समुदाय की पहचान समझाई जाए, लेकिन दूसरे को नीचा दिखाना नहीं; अपने विचार पर विश्वास करना सिखाया जाए, लेकिन असहमति सुनने की क्षमता भी दी जाए। यही लोकतांत्रिक संस्कार हैं। कार्ल मार्क्स ने धर्म और सामाजिक-आर्थिक शोषण के संबंध पर प्रश्न उठाया था, ग्राम्शी ने सत्ता के वैचारिक प्रभाव को समझाया और पाउलो फ्रेरे ने आलोचनात्मक चेतना को मुक्ति का माध्यम माना। आंबेडकर ने स्वतंत्रता, समानता और बंधुता को सामाजिक लोकतंत्र का आधार माना, जबकि फुले और भगत सिंह ने शिक्षा, तर्क और जागृति पर जोर दिया। इन विचारों का सार यही है कि जनता भावनात्मक भीड़ नहीं, बल्कि अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक नागरिक बने। आज सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि कट्टरपंथी राजनीति के बीच जनता कहाँ है? चुनाव आते हैं तो जनता को धर्म, जाति, भाषा और पहचान के आधार पर बाँटने की कोशिश होती है; चुनाव समाप्त होते हैं तो वही जनता बेरोजगारी, महँगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान, मजदूर और सुरक्षा जैसी साझा समस्याओं से जूझती रहती है, जिन मुद्दों पर घर का चूल्हा जलता है, वे कई बार उन मुद्दों के पीछे दब जाते हैं जिनसे केवल राजनीतिक तापमान बढ़ता है। लोकतंत्र में धार्मिक आस्था का सम्मान होना चाहिए, जातीय अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का सम्मान होना चाहिए और राजनीतिक विचारों की विविधता भी बनी रहनी चाहिए, लेकिन किसी भी पहचान को दूसरे नागरिक के अधिकारों से बड़ा नहीं बनाया जा सकता। कट्टरपंथ का उत्तर दूसरी कट्टरता नहीं है। यदि एक समुदाय की कट्टरता के जवाब में दूसरे समुदाय की कट्टरता खड़ी कर दी जाए, तो समाज दो हिस्सों में नहीं, बल्कि असंख्य छोटे-छोटे संघर्षों में बँट जाएगा, इसीलिए संविधान इस पूरे विमर्श की अंतिम कसौटी है। संविधान समानता देता है, स्वतंत्रता देता है, न्याय की गारंटी देता है और बंधुता का रास्ता दिखाता है। वह यह नहीं पूछता कि नागरिक किस धर्म का है, किस जाति का है या किस दल को वोट देता है। उसकी दृष्टि में प्रत्येक नागरिक की गरिमा महत्वपूर्ण है, इसलिए कोई नेता, दल, धार्मिक संगठन या जातीय समूह संविधान से ऊपर नहीं हो सकता। अटल बिहारी वाजपेयी की लोकतांत्रिक भावना को इसी संदर्भ में याद किया जा सकता है–÷सत्ता आती-जाती है, देश रहना चाहिए।÷ इस विचार को आज के समय में और व्यापक अर्थ देना होगा–सत्ता आती-जाती है, देश रहना चाहिए; सरकारें बदलती हैं, संविधान रहना चाहिए; नेता बदलते हैं, लोकतंत्र मजबूत रहना चाहिए। राजनीतिक विजय क्षणिक हो सकती है, लेकिन राष्ट्र और लोकतांत्रिक संस्थाएँ स्थायी होनी चाहिए।

अंततः चुनाव यह तय करता है कि सरकार कौन बनाएगा; संविधान यह तय करता है कि सरकार कैसे चलेगी; और जनता यह तय करती है कि सरकार कितनी जवाबदेह रहेगी, इसलिए कट्टरपंथ के चक्र को तोड़ने का रास्ता किसी एक धर्म, जाति या दल के विरुद्ध खड़ा होना नहीं, बल्कि संविधान के पक्ष में खड़ा होना है। जब नागरिक नारे से पहले तर्क, पहचान से पहले इंसानियत, भीड़ से पहले कानून और नेता से पहले संविधान को महत्व देगा, तभी लोकतंत्र कट्टरपंथ की राजनीति से ऊपर उठ सकेगा क्योंकि इस लोकतंत्र में अंतिम शक्ति किसी नेता, दल, धर्म या जाति की नहीं हैं वह÷हम भारत के लोग÷ की है।

दिल्ली में बैठे बैठे मोदी ने ईराक में कर दिया खेल

देखा जाये तो भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक है। देश की अर्थव्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, उद्योग और आम आदमी के जीवन में पेट्रोलियम की अहम भूमिका है। ऐसे में तेल की कीमतों में मामूली वृद्धि भी भारत के आयात बिल, महंगाई और रुपये पर दबाव डाल सकती है। दुनिया की नजर इस बात पर टिकी है कि भारत रूस से कितना तेल खरीद रहा है, वेनेजुएला से कितना तेल खरीदेगा और अमेरिकी दबाव के आगे भारत अपने फैसले बदलेगा या नहीं। लेकिन इस पूरे शोर-शराबे के बीच एक बड़ा सवाल जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है कि इराक से भारत कितनी बड़ी मात्रा में तेल खरीद रहा है और इस खरीद से अपने आर्थिक हितों को कैसे साध रहा है? देखा जाये तो रूस और वेनेजुएला के तेल पर दुनिया बहस करती रहे, लेकिन भारत की असली रणनीति समझनी है तो इराक के साथ उसके तेल कारोबार पर नजर डालनी होगी। यही वह मोर्चा है, जहां भारत अपनी जरूरत, बाजार और कीमत के हिसाब से फैसले लेकर दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि उसकी ऊर्जा नीति किसी के दबाव से नहीं, बल्कि देश के हितों से तय होती है। देखा जाये तो भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक है। देश की अर्थव्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, उद्योग और आम आदमी के जीवन में पेट्रोलियम की अहम भूमिका है। ऐसे में तेल की कीमतों में मामूली वृद्धि भी भारत के आयात बिल, महंगाई और रुपये पर दबाव डाल सकती है। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में इराक ने भारत को 4.711 करोड़ मीट्रिक टन कच्चा तेल उपलब्ध कराया। यह भारत के कुल तेल आयात के मूल्य का लगभग 19.16 प्रतिशत था। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद इराक भारत का दूसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि इराक भारत के लिए कोई मामूली या वैकल्पिक आपूर्तिकर्ता नहीं है। वह भारत की ऊर्जा व्यवस्था का एक प्रमुख आधार है। भारतीय तेल कंपनियां इराक से नियमित रूप से तेल खरीदती हैं और इस व्यापार के माध्यम से दोनों देशों के आर्थिक संबंध भी मजबूत होते हैं। इराक से भारत की खरीद का महत्व हाल के घटनाक्रमों से और बढ़ गया है। 22 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर में भारत ने इराक से प्रतिदिन लगभग 8.30 लाख बैरल तेल आयात किया, जबकि अगस्त में यह मात्रा लगभग 1.71 लाख बैरल प्रतिदिन थी। इसी दौरान भारत का रूस से तेल आयात लगभग 14 प्रतिशत घटकर 18 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया। यह बदलाव बताता है कि भारत की तेल खरीद किसी एक राजनीतिक समीकरण से तय नहीं होती। जब मध्य-पूर्व का तेल प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उपलब्ध होता है, तो भारतीय रिफाइनरियां उसकी ओर रुख कर सकती हैं। रूस का तेल भी भारतीय बाजार के लिए महत्वपूर्ण बना रहता है, लेकिन खरीद का फैसला कीमत, परिवहन खर्च, उपलब्धता और रिफाइनरी की जरूरतों के आधार पर होता है। इस रणनीति का एक और उल्लेखनीय उदाहरण सामने आया। इसी महीने की एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने इराक के बसरा टर्मिनल से लगभग 20 लाख बैरल बसरा मीडियम क्रूड की एक खेप खरीदने पर सहमति जताई थी। रिपोर्ट में इस खरीद के लिए दुबई के तेल मूल्य से 32 डॉलर प्रति बैरल कम कीमत का उल्लेख किया गया।

आज का राशि फल

मेष राशिः आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, नया केस हाथ लगेगा। आज खास लोगों के बीच किसी नई गतिविधि को लेकर गंभीर चर्चा होगी, जो कि सकारात्मक रहेगी। आज किसी मामले को लेकर विचारों में भावुकता रहेगी। आज कुछ लोग जलन की भावना से आपकी आलोचना कर सकते हैं।

वृष राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज व्यवसायिक काम समय पर बनते जाएंगे। विदेश संबंधी व्यवसाय में परिस्थितियां आपके अनुकूल होने के आसार हैं। आज ऑफिस में सहयोगियों की कार्यकुशलता से टारगेट समय पर पूरा हो जाएगा।

मिथुन राशिः आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। आज आप लेखन कार्यों में रुचि लेंगे आपका लेखन और अच्छा होगा। आज आपकी बातें दूसरों पर प्रभाव डालेगी। आज रोजमर्रा के कामों से हटकर कुछ नया सीखने में समय बीतेगा। प्रॉपर्टी या वाहन की खरीददारी में लाभ की बेहतर स्थिति बनेगी। आध्यात्म और धार्मिक गतिविधियों में आपका रुझान बढ़ेगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। थोड़ी सी बात पर परेशान होने के बजाय उसका हल ढूंढने की कोशिश करेंगे तो आपको सलूशन मिल जायेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है।

सिंह राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज व्यवसाय में अतिरिक्त आय का साधन बनने वाला है। अगर आपका साझेदारी में बिजनेस करने का प्लान है तो ये डील आपके लिए फायदेमंद होगी। अधिकतर समय मार्केटिंग और बाहर की गतिविधियों में बीतेगा। इस राशि के सरकारी नौकरी कर रहे लोग अपने कार्यभार से संतुष्ट रहेंगे। आपको घर के बड़ो से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा।

कन्या राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज ध्यान रखें कि अगर प्रयासरत कार्यों में समस्या आती है तो इसकी वजह आपकी एकाग्रता में कमी होगी। आज सम्मानित और प्रभावशाली लोगों के संपर्क में आने से आपको कई नए विषयों की जानकारी मिलेगी। आज घर के लिए इलेक्ट्रॉनिक वस्तु की खरीदारी संभव है। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे।

तुला **राशिः** आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज किसी समस्या को हल करने में आपका सहयोग सकारात्मक रहेगा। आस-पड़ोस की सामाजिक गतिविधियों में आपका वर्चस्व रहेगा। प्रॉपर्टी से संबंधित काम हल होगा। आज नकारात्मक लोगों से दूर रहेंगे और आलस की स्थिति से बचेंगे तो आपका काम समय से पूरा हो जायेगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज कार्यों को सुचारु रूप से करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी होगी। हालांकि सही समय पर उचित निर्णय लेने से आपकी काफी समस्याएं हल हो जाएंगी। इस समय नया कार्य शुरू न करें, आज के कामों को ही व्यवस्थित करने पर ध्यान देंगे। ऑफिस में आपका प्रभुत्व बना रहेगा। नवविवाहित दंपत्ति के बीच आज मीठी नोक-झोक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगी। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

धनु राशिः आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज जल्दबाजी में फैसला न लें, न ही दूसरों के मामले में हस्तक्षेप करें। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाने की योजना बनायेंगे। साथ ही आय बढ़ाने के लिए नया प्लान बनायेंगे। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने का मन बनायेंगे। कला जगत से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मकर राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। छात्रों को आज बहुत अधिक मेहनत करने की जरूरत है। आज आप लेनदेन को स्थगित रखेंगे तो आने वाली किसी समस्या से बच जायेंगे। इस राशि के लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिससे उनके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आपकी ऑफिशियल यात्रा संभव है।

कुंभ राशिः आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपका दिन खुशनुमा बीतेगा। घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगें। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। ऑफिस के काम को थोड़ा संभलकर करने की जरूरत है, आपके काम की शिकायत कर सकता है। आज किसी से भी उलझने से आपको बचना चाहिए।

मीन राशिः आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुये है। आज व्यक्तिगत काम के समय आप घबराने की बजाय परिस्थितियों का समाधान ढूंढने का प्रयास करेंगे और इसमें आप सफल भी होंगे। परिवारिक सदस्य की किसी उपलब्धि से घर में उत्सव का माहौल रहेगा। मार्केटिंग की जॉब कर रहे लोगों से आज अच्छा क्लाइंट जुड़ेगा।

गंगा के ऊपर दिखेगा वायुसेना का शौर्य

आज पीएम मोदी के स्वागत में सजेगी काशी, सुरक्षा चाकचौबंद

वाराणसी, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। वाराणसी में 25 अक्टूबर को गंगा के ऊपर भारतीय वायुसेना का शौर्य देखने को मिलेगा। नमो घाट पर आयोजित 'विंग्स ओवर गंगा' एयर शो के समापन दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मौजूद रहेंगे। राफेल, सुखोई और तेजस जैसे लड़ाकू विमानों के हवाई करतब इस आयोजन के प्रमुख आकर्षणों में शामिल हैं। प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर काशी में भव्य स्वागत की तैयारियां की गई हैं। पुलिस लाइन से नमो घाट तक स्वागत केंद्र बनाए गए हैं, जहां ढोल-नगाड़ों, डमरू वादन, शंखनाद और पुष्पवर्षा के साथ उनका अभिनंदन किया जाएगा।

'विंग्स ओवर गंगा' थीम पर आयोजित एयर शो में भारतीय वायुसेना के विमान और हेलीकॉप्टर आसमान में अपनी उड़ान क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। गंगा की लहरों के ऊपर विमानों की गर्जना और पायलटों के रोमांचक करतब दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इस आयोजन के जरिए वायुसेना की तकनीकी क्षमता, सटीक उड़ान और हवाई कौशल का प्रदर्शन किया जाएगा।

पीएम मोदी के स्वागत में सजेगी काशी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं और काशीवासियों की ओर से भव्य स्वागत की तैयारी है। पुलिस लाइन से नमो घाट तक कई स्थानों पर स्वागत केंद्र बनाए गए हैं।

इन केंद्रों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ गुलाब की पंखुड़ियां बरसाकर प्रधानमंत्री का अभिनंदन करने की योजना है। 'हर-हर महादेव' और 'जय श्रीराम' के उद्घोष से स्वागत को खास बनाने की तैयारी है।

सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर विशेष नजर

एयर शो में प्रधानमंत्री के साथ अन्य विशिष्ट अतिथियों के शामिल होने को देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। नमो घाट और गंगा के आसपास निगरानी, भीड़ प्रबंधन और यातायात नियंत्रण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कार्यक्रम में शामिल होने की योजना बना रहे लोगों को प्रशासन की ओर से जारी यातायात एडवाइजरी देखकर ही घर से निकलना चाहिए।

काशी के लिए खास होगा 25 अक्टूबर

गंगा के ऊपर वायुसेना के हवाई करतब और प्रधानमंत्री का आगमन 25 अक्टूबर को वाराणसी के प्रमुख आकर्षण रहेंगे। एयर शो के जरिए काशी के घाटों पर देश की हवाई ताकत और सांस्कृतिक उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिलेगा।

सपा सांसद अफजाल अंसारी की तबीयत बिगड़ी, मेदांता में भर्ती

लखनऊ, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। गाजीपुर से सपा सांसद अफजाल अंसारी की तबीयत बिगड़ने पर देर रात उन्हें लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया। गेस्ट्रो मेडिसिन विभाग के डॉक्टरों की निगरानी इलाज चल रहा है। अल्ट्रडाउंड और खून की जांच कराई गई हैं। अफजाल को गाजीपुर में पेट दर्द और उल्टियां हुई थी।

शरीर में पानी की कमी और घबराहट बढ़ने पर परिजन उन्हें एंबुलेंस से लखनऊ लेकर पहुंचे। रात करीब 12 बजे उन्हें मेदांता के गेस्ट्रो मेडिसिन वार्ड में भर्ती कराया गया। मेदांता लखनऊ के मेडिकल डायरेक्टर डॉक्टर राकेश कूपर के मुताबिक, अफजाल अंसारी को रात में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों की टीम उनकी जांच और उपचार में जुटी है। उन्हें विशेषज्ञों की निगरानी में रखा गया है। अफजाल अंसारी की तबीयत बिगड़ने की जानकारी उनके भतीजे और मऊ सदर विधायक अब्बास अंसारी ने सोशल मीडिया के जरिए शेयर की। उन्होंने समर्थकों से उनके जल्द स्वस्थ होने के लिए दुआ की अपील की।

अपने पोस्ट में अब्बास अंसारी ने लिखा, ' बड़े अब्बा जनाब अफ़ज़ाल अंसारी साहब (सांसद गाज़ीपुर) की तबियत अचानक ख़राब हो गयी है,लखनऊ के मेदांता हॉस्पिटल मे एडमिट हैं। आप सभी से दुआओं, प्रार्थनाओं की गुज़ारिश है।' वहीं, मेदांता के मेडिकल डायरेक्टर डॉक्टर राजेश कपूर ने बताया कि अफजाल अंसारी की जांच रिपोर्ट आने बाद मेडिकल बुलेटिन जारी किया जाएगा। गौरतलब है कि अफजाल बाहुबली नेता मुख्तार अंसारी के बड़े भाई हैं।

बारबेक्यू नेशन, केएफसी और पिज्जा हट तक पहुंची खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच

बिहार में 531 प्रतिष्ठानों पर छापामारी

पटना, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में लोगों को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए खाद्य संरक्षा विभाग ने राज्यव्यापी जांच अभियान तेज कर दिया है। अब तक 531 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया है, जिनमें पटना के 87 प्रतिष्ठान शामिल हैं। जांच के दौरान खराब, दुर्गंधयुक्त और एक्सपायरी खाद्य पदार्थ मिलने पर जब्ती और नष्ट करने की कार्रवाई की गई। विभाग ने दो प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित किए हैं, जबकि 15 के विरुद्ध अभियोजन की कार्रवाई की गई है। अभियान के तहत होटल, रेस्तरां, मिठाई दुकान, डेयरी, फास्ट फूड सेंटर, पैकेज्ड पेयजल इकाइयों और ऑनलाइन खाद्य सामग्री बेचने वाले स्टोर की जांच की जा रही है।

अधिकारियों ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, रसोई की स्वच्छता, सुरक्षित भंडारण और वैध लाइसेंस की पड़ताल की। अनियमितता मिलने पर संबंधित प्रतिष्ठानों को सुधार के नोटिस भी दिए गए हैं। पटना में जांच के दौरान मिल्क केक, गुलाब जामुन, रसगुल्ला, पनीर और अन्य खाद्य पदार्थों पर कार्रवाई की गई। संपतचक, गौरीचक और आसपास के इलाकों में बिना वैध लाइसेंस संचालित पैकेज्ड पेयजल इकाइयों की भी जांच हुई। विभाग ने संदिग्ध उत्पादों के नमूने प्रयोगशाला भेजे और नियमों के उल्लंघन पर संबंधित इकाइयों के संचालन पर कार्रवाई की।

होटल मौर्या, द पनाश, बारबेक्यू नेशन, केएफसी और पिज्जा हट समेत विभिन्न प्रतिष्ठानों में रसोई की साफ-सफाई और खाद्य भंडारण की जांच की गई। कुछ जगहों पर दुर्गंधयुक्त पनीर, कीड़े लगे ब्रेड पैकेट और जला हुआ तेल मिलने की जानकारी दी गई। ब्लिंकिट स्टोर से एक्सपायरी दूध और अन्य स्टोर से घी, आटा, मसाले तथा मैदा जब्त कर नष्ट कराए गए। पटना के अलावा रोहतास, सारण, गोपालगंज, सीवान, गया और वैशाली समेत कई जिलों में निरीक्षण किए गए। वैशाली में बिना वैध लाइसेंस वाली इकाइयों से 22,992 लीटर पैकेज्ड पेयजल जब्त किया गया।

बलिया आ रहीं जया किशोरी

28 अक्टूबर से सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन

बलिया, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रख्यात कथावाचिका और आध्यात्मिक वक्ता जया किशोरी जल्द ही बलिया में श्रीमद्भागवत कथा सुनाएंगी। जिले के हनुमानगंज क्षेत्र के छोड़हर गजियापुर स्थित राम मंदिर, शंकरपुर मार्ग पर 28 अक्टूबर से सात दिवसीय कथा आयोजन की तैयारी है। स्थानीय रिपोर्ट के अनुसार, कथा 3 नवंबर तक चलेगी और प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित होगी। जया किशोरी के आगमन की खबर से क्षेत्र के श्रद्धालुओं में उत्सुकता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ 28 अक्टूबर को होगा। सात दिवसीय कार्यक्रम 3 नवंबर तक चलेगा। आयोजन स्थल छोड़हर गजियापुर स्थित राम मंदिर, शंकरपुर मार्ग बताया गया है।

कथा के दौरान जया किशोरी श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत के प्रसंगों के माध्यम से भक्ति और आध्यात्मिक जीवन से जुड़े संदेश देंगी। कार्यक्रम का समय प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक बताया गया है। हालांकि, श्रद्धालुओं को रवाना होने से पहले आयोजकों से कार्यक्रम की समय-सारिणी और प्रवेश संबंधी व्यवस्था की पुष्टि कर लेनी चाहिए।

परिवहन मंत्री ने किया भूमि पूजन

स्थानीय समाचार रिपोर्ट के मुताबिक, कथा आयोजन की तैयारियों के बीच 21 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन किया। इसके साथ ही आयोजन को लेकर तैयारियों ने गति पकड़ी। कार्यक्रम में आयोजन से जुड़े लोगों और स्थानीय श्रद्धालुओं की भागीदारी की जानकारी भी सामने आई है।

बलिया और आसपास के श्रद्धालुओं की रहेगी नजर

जया किशोरी की कथा को लेकर बलिया के साथ आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं में भी उत्सुकता रहने की संभावना है। सात दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए आयोजन स्थल पर व्यवस्था महत्वपूर्ण होगी।

फिलहाल उपलब्ध स्थानीय रिपोर्ट के अनुसार, कथा 28 अक्टूबर से 3 नवंबर तक आयोजित होनी है। श्रद्धालुओं के लिए कार्यक्रम स्थल, समय और अन्य व्यवस्थाओं से जुड़ी अंतिम जानकारी आयोजक समिति से प्राप्त करना उचित रहेगा।

इंस्पेक्टर योगेश की संदिग्ध मौत, सरकारी क्वार्टर में फंदे से लटका मिला शव

भागलपुर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के भागलपुर जिले के नवगछिया पुलिस जिले में शनिवार सुबह एक पुलिस अधिकारी का शव सरकारी क्वार्टर में फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान योगेश कुमार के रूप में हुई है। वह हाल ही में जमादार से इंस्पेक्टर पद पर पदोन्नत हुए थे और नवगछिया एसपी कार्यालय की अपराध शाखा में तैनात थे। उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत से पुलिस महकमे में शोक का माहौल है। फिलहाल मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शनिवार सुबह करीब 6 बजे एक सहकर्मी पुलिस अधिकारी योगेश कुमार के सरकारी क्वार्टर पर पहुंचा।

वहां उसने योगेश का शव फंदे से लटका देखा। यह देखकर वह घबरा गया और तत्काल पुलिस लाइन तथा वरीय अधिकारियों को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस महकमे में हलचल मच गई। नवगछिया के पुलिस अधीक्षक (एसपी) वैभव शर्मा, एसडीपीओ सईम रजा और मुख्यालय डीएसपी समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंचे।

लालू के साले ने नीतीश के फैसले पर उठाया सवाल साधु यादव ने महिलाओं पर दिया बवाली बयान

पटना, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के साले और पूर्व सांसद साधु यादव ने बिहार के पूर्व सीएम नीतीश कुमार के एक फैसले पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा है कि बिहार पुलिस में महिलाओं की बड़े पैमाने पर भर्ती करके नीतीश कुमार गलत कर गए। पुलिस में इतनी महिलाओं की भर्ती और तैनाती के कारण क्राइम कंट्रोल नहीं हो रहा है। महिलाएं खुद कमजोर होती हैं उनसे लॉ एंड ऑर्डर नहीं संभल सकता।

चौराहों पर बंदूक देकर खड़ा कर देना महिलाओं का अपमान है। उन्हें ऑफिस, नर्स, शिक्षक जैसे पदों पर भर्ती किया जाना चाहिए। साधु यादव बिहार के पूर्व सीएम राबड़ी देवी के भाई हैं। साधु यादव का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वे कह रहे हैं कि महिला पुलिस से लॉ एंड ऑर्डर संभालने जैसा कठिन काम नहीं हो सकता। इस पर एक न्यूज चैनल ने उनसे बात की तो वे अपने बयान पर डटे रहे। उन्होंने कहा कि सिपाही के पद पर महिला को ड्यूटी नहीं देना चाहिए। महिला के लिए प्रोफेसर, टीचर, नर्स, क्लर्क का जॉब ठीक है। उन्हें ऑफिस का ड्यूटी दिया जाना चाहिए। लेकिन जहां भी लॉ एंड ऑर्डर मेंटेन करना है वहां पुरुष की जरूरत पड़ती है क्योंकि महिलाएं कमजोर होती हैं। नीतीश कुमार का यह फैसला सही नहीं है।

दरअसल नीतीश कुमार जब मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कई सुधार किए। उन्होंने पंचायती राज में आधी सीटों पर महिलाओं का आरक्षण लागू कर दिया। महिलाओं को जन प्रतिनिधि बनाने के साथ यह भी तय कर दिया कि बैठकों में उनके पुरुष प्रतिनिधि(पति, बेटा, या कोई अन्य रिश्तेदार) भाग नहीं ले सकते। नीतीश कुमार ने नौकरी में भी महिलाओं को रिजर्वेशन दिया। बिहार पुलिस में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत सीटें रिजर्व कर दिया। सिपाही, दारोगा या अन्य पदों पर बिहार पुलिस में जितनी महिलाएं हैं उतनी किसी राज्य की पुलिस में नहीं हैं। इस फैसले पर साधु यादव ने सवाल उठा दिया है।

जेल की बैरक में श्रद्धा ने फर्श पर बिछाया बिस्तर

मच्छरों की भनभनाहट और बेचैनी के बीच दोनों बहनें बात कर गुजारी पूरी रात

लखनऊ, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। शिवा हत्याकांड की मुख्य आरोपी श्रद्धा दुबे और उसकी बहन रश्मि दुबे की जिंदगी महज कुछ दिनों में पूरी तरह बदल गई है। कभी आरामदायक फ्लैट और होटलों में वक्त बिताने वाली दोनों बहनों को अब जिला जेल की बैरक में फर्श पर बिस्तर बिछाकर रात गुजारनी पड़ रही है। जेल में पहली रात दोनों के लिए आसान नहीं रही। मच्छरों की भनभनाहट, अनजान माहौल और तमाम बंदिशों के बीच उनकी रात करवटें बदलते हुए बीती। उधर, श्रद्धा का चालक तनवीर उर्फ दानिश भी जेल में बेचैन नजर आया। जेल में दाखिल होने के बाद श्रद्धा और रश्मि को महिला सर्किल की मुलाहिजा बैरक में रखा गया। बृहस्पतिवार रात भोजन करने के बाद दोनों काफी देर तक बैठकर बातचीत करती रहीं। बाद में अपने-अपने बिस्तर पर लेट गईं, लेकिन नए माहौल में उन्हें चैन की नींद नहीं आई।

आरामदायक बिस्तरों की आदी दोनों बहनों के लिए फर्श पर सोना और मच्छरों के बीच रात बिताना एक अलग अनुभव रहा। जेल के अंदर भी श्रद्धा के तेवर में खास बदलाव नहीं दिखा। जेल अधिकारियों के मुताबिक, दाखिले की प्रक्रिया, तलाशी और पूछताछ के दौरान श्रद्धा आत्मविश्वास के साथ नजर आई। उसके व्यवहार में किसी तरह की झिझक दिखाई नहीं दी। शुरुआती औपचारिकताओं के दौरान भी उसका अंदाज बेबाक रहा। हालांकि, जेल के भीतर का माहौल और वहां की दिनचर्या बाहर की जिंदगी से बिल्कुल अलग है। रात श्रद्धा और रश्मि को आलू-लौकी की सब्जी और उड़द की दाल परोसी गई। सुबह नाश्ते में दलिया और चाय दी गई। दोपहर के भोजन में रोटी, चावल, उड़द-राजमा की दाल और आलू-सोयाबीन की सब्जी मिली। दूसरी ओर, श्रद्धा का चालक तनवीर उर्फ दानिश भी पहली रात बेचैन रहा। हल्का भोजन करने के बाद वह लेट तो गया, लेकिन देर रात तक उसे नींद नहीं आई।

अंकिता हत्याकांड: उर्मिला सनावर की शर्त लाइव कैमरों के सामने हो नार्को टेस्ट

बरेली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंकिता भंडारी हत्याकांड से जुड़े कथित वीआईपी ऑडियो प्रकरण में देहरादून की सीबीआई कोर्ट में खासी गहमागहमी देखने को मिली। इस मामले में अभिनेत्री उर्मिला सनावर और बीजेपी के पूर्व विधायक सुरेश राठौर दोनों ने नार्को टेस्ट कराने के लिए हामी भर दी है। सीबीआई ने इसी ऑडियो की जांच के सिलसिले में दोनों को नोटिस भेजकर तलब किया था। नोटिस मिलने के बाद दोनों अदालत पहुंचे थे।

सीबीआई ने वायरल ऑडियो की पड़ताल के लिए उर्मिला सनावर का नार्को और पॉलीग्राफ टेस्ट कराने की अर्जी दायर की है, जिस पर कोर्ट में सुनवाई हुई। पेशी के बाद उर्मिला ने बताया कि अदालत ने उन्हें 26 तारीख को दोबारा हाजिर होने को कहा। साथ ही उनसे कहा गया है कि वो नार्को टेस्ट के लिए अपनी सहमति पर सोच विचार कर लें।

आगे की सुनवाई में उनकी सहमति और टेस्ट से जुड़े अन्य पहलुओं पर विचार किया जाएगा। उर्मिला के देहरादून कचहरी पहुंचते ही माहौल गरमा गया। बताया गया कि पूर्व विधायक सुरेश राठौर ने उन्हें अपनी पत्नी मानने से इनकार कर दिया, जिससे उर्मिला भड़क उठीं और आक्रोश में यह तक कह डाला कि वो राठौर को कोर्ट परिसर में ही चप्पल से मारेंगी। बता दें कि पूर्व विधायक सुरेश राठौर और अभिनेत्री उर्मिला सनावर के बीच वैवाहिक स्थिति को लेकर पहले से ही विवाद चल रहा है। उर्मिला सनावर दावा करती हैं कि वो राठौर की पत्नी हैं लेकिन वो इससे साफ मना करते हैं।

उर्मिला ने दावा किया कि यदि उनका नार्को टेस्ट सही तरीके से और लाइव कैमरों की मौजूदगी में हुआ, तो अंकिता भंडारी हत्याकांड से लेकर नीलम हत्याकांड तक कई राज सामने आ जाएंगे। उन्होंने साफ कहा कि वो किसी भी हाल में पीछे हटने वाली नहीं हैं।

मुस्कान और रविता को फांसी देने के लिए जल्लाद बनेंगी मीरा राठौर? डीएम को सौंपा प्रार्थना पत्र

मथुरा, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। मेरठ के चर्चित नीले ड्रम हत्याकांड की दोषी मुस्कान रस्तोगी और अपने पति की हत्या को सांप के डसने का रूप देने के मामले में दोषी रविता को मृत्युदंड सुनाए जाने के बाद दोनों मामले एक बार फिर चर्चा में हैं। इन जघन्य अपराधों के बाद अखिल भारत हिंदू महासभा की आगरा जिलाध्यक्ष मीरा राठौर ने दोनों महिलाओं को फांसी देने की इच्छा जताई है। उन्होंने मथुरा के जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर जल्लाद की जिम्मेदारी निभाने की अनुमति मांगी है। मीरा राठौर का कहना है कि यदि प्रशासन आदेश देता है, तो वह यह कार्य निशुल्क करेंगी और फांसी से पहले दोनों महिलाओं को गंगाजल से शुद्ध करने की बात भी कही है।

मेरठ के ब्रह्मपुरी क्षेत्र में सौरभ राजपूत की हत्या के मामले ने देशभर में सुर्खियां बटोरी थीं। सौरभ की पत्नी मुस्कान रस्तोगी और उसके साथी साहिल शुक्ला को इस मामले में दोषी ठहराया गया। अदालत ने 14 अक्टूबर 2026 को दोनों को मृत्युदंड की सजा सुनाई थी। इस मामले में सौरभ के शव को नीले ड्रम में छिपाने की घटना सामने आने के बाद लोगों में काफी आक्रोश था।

दूसरे चर्चित मामले में रविता और उसके साथी अमरदीप को पति अमित कश्यप की हत्या का दोषी ठहराया गया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, हत्या के बाद घटना को सांप के काटने से हुई मौत दिखाने की कोशिश की गई थी। हालांकि, जांच में पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर हत्या का मामला स्पष्ट रूप से सामने आया। अदालत ने अक्टूबर 2026 में दोनों को मृत्युदंड सुनाया।

दोनों महिलाओं को फांसी की सजा दिए जाने की मांग के बीच, मीरा राठौर ने स्वयं जल्लाद बनने की इच्छा जाहिर की है। उन्होंने मथुरा के जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर अनुमति मांगी और कहा कि प्रशासन की ओर से जिम्मेदारी मिलने पर वह निशुल्क फांसी देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने फांसी से पहले गंगाजल से शुद्धिकरण करने की बात भी कही थी, जो इस मामले में जनभावनाओं को दर्शाता है।

स्कूल बस की टक्कर से घायल युवक की 10 दिन बाद मौत, मुआवजे की मांग पर अंतिम संस्कार से इनकार

लखनऊ, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। तेलीबाग क्षेत्र में स्कूल बस की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हुए युवक की 10 दिन बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। युवक की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने मुआवजे की मांग पूरी होने तक शव का अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया है। पत्नी ने स्कूल प्रबंधन से एक करोड़ रुपये मुआवजे और अपने तीनों बच्चों के लिए नौकरी की मांग की है। बरौली निवासी देवेंद्र कुमार (45) ठेकेदारी का काम करते थे। उनके तीन बच्चे वृंदावन सेक्टर-9 स्थित एनकेएम स्कूल में पढ़ते हैं। परिजनों के मुताबिक, 14 अक्टूबर को दोपहर करीब एक बजे देवेंद्र मोटरसाइकिल से बच्चों की स्कूल फीस जमा करने जा रहे थे।

इसी दौरान वृंदावन सेक्टर-12 चौराहे के पास सामने से आ रही स्कूल बस ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में देवेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद देवेंद्र को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान 24 अक्टूबर की रात उनका निधन हो गया। उनकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। इसके बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया।

'भाजपा किसी की सगी नहीं'

शिक्षक एमएलसी चुनाव में गड़बड़ी पर सपा प्रत्याशी आकाश अग्रवाल के समर्थन में आए अखिलेश यादव

लखनऊ, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। शिक्षक एमएलसी चुनाव में गड़बड़ी की शिकायत करने कमिश्नरी पहुंचे सपा प्रत्याशी एमएलसी डॉ। आकाश अग्रवाल भावुक हो गए थे। भाजपा प्रत्याशी और उनके समर्थकों पर बूथ कैप्चरिंग के आरोप लगाते हुए रो पड़े थे। उन्होंने कहा कि चुनाव में हार-जीत से उन्हें अंतर नहीं पड़ता है। ऐसा महसूस हो रहा है, जैसे कि वह पाकिस्तान से आए आतंकवादी हों। इस घटना के बाद सपा मुखिया अब आकाश अग्रवाल के समर्थन में आए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के एक्स हैंडल पर पोस्ट की है।

सपा प्रमुख ने लिखा कि उत्तर प्रदेश व देश-दुनिया का संपूर्ण 'अग्रवाल समाज' ये आंसू देखकर बेहद आहत है। शिक्षक/स्नातक एमएलसी चुनाव में सपा के प्रत्याशी डॉ. आकाश अग्रवाल को हराने के लिए भाजपाइयों, उनके संगी-साथियों व अधिकारियों ने मिलकर चुनावी घपलों की सारी हदें पार कर दीं, जिससे प्रताड़ित, दुखी व अपमानित होकर डॉ. आकाश अग्रवाल एक ऐसा फैसला लेने की घोषणा कर रहे हैं, जिससे उनकी तरह संपूर्ण 'अग्रवाल समाज' भी व्यथित हो गया है।

भाजपा पर लगाए गंभीर आरोप

अखिलेश यादव ने लिखा कि समय आने पर हम डॉ। आकाश अग्रवाल को यथोचित सम्मान और स्थान देकर संपूर्ण 'अग्रवाल समाज' के मान-सम्मान की पुनर्स्थापना करेंगे। चुनाव के लूटेरे इन दगाबाज भाजपाइयों और उनके संगी-साथियों की भ्रष्ट सत्ता अब और नहीं चलेगी। जनता अब इनकी जड़ में मट्ठा डाल देगी। भाजपा किसी की सगी नहीं है। हम डॉ. आकाश अग्रवाल जी और संपूर्ण अग्रवाल समाज के साथ हैं।

अंजली अरोड़ा की मुश्किलें बढ़ीं

'कच्चा बादाम' गर्ल को 1.20 करोड़ का लीगल नोटिस, 15 दिन का मिला अल्टीमेटम

सोशल मीडिया पर 'कच्चा बादाम' गाने से पहचान बनाने वाली इन्फ्लुएंसर अंजली अरोड़ा एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार वजह उनका कोई वीडियो या सोशल मीडिया पोस्ट नहीं, बल्कि कानपुर में हुआ एक कार्यक्रम है। आरोप है कि अंजली अरोड़ा तय समय तक मंच पर नहीं रुकीं और जितनी देर की प्रस्तुति का वादा किया गया था, उससे काफी कम समय में कार्यक्रम छोड़कर चली गईं। अब इस मामले ने कानूनी रूप ले लिया है। कार्यक्रम के आयोजक ने अंजली और उनकी मैनेजर को 1 करोड़ 20 लाख रुपये का लीगल नोटिस भेजा है। साथ ही 15 दिन के अंदर जवाब देने, हर्जाना चुकाने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की गई है। इस पूरे मामले में अंजली अरोड़ा भी अपना पक्ष रख चुकी हैं। ऐसे में सवाल है कि आखिर कानपुर के इस कार्यक्रम में ऐसा क्या हुआ कि मामला लाखों के कथित नुकसान से बढ़कर करोड़ों रुपये के नोटिस तक पहुंच गया?

12 मिनट प्रस्तुति देकर लौटने का आरोप

यह मामला 15 अक्टूबर 2026 को कानपुर के लाजपत भवन लॉन में आयोजित 'नगाड़ा नाइट' कार्यक्रम से जुड़ा है। आयोजक आशीष कुमार के मुताबिक, इस कार्यक्रम में अंजली अरोड़ा को प्रस्तुति देने के लिए बुलाया गया था। उनकी मैनेजर प्रीति दुबे के साथ बातचीत के बाद 30 मिनट की प्रस्तुति के लिए तीन लाख रुपये तय किए गए थे।

आयोजकों का दावा है कि बाद में प्रस्तुति का समय बढ़ाकर 45 मिनट करने पर भी सहमति बनी थी। आयोजक के मुताबिक, अंजली को रात 9 बजे से 9:45 बजे तक प्रस्तुति देनी थी, लेकिन वह करीब 9:45 बजे कार्यक्रम स्थल पहुंचीं। इसके बाद उन्होंने मंच पर लगभग 12 मिनट तक प्रस्तुति दी और वहां से चली गईं। आयोजकों का कहना है कि इससे कार्यक्रम की योजना प्रभावित हुई और दर्शकों के साथ-साथ आयोजन से जुड़े लोगों को भी परेशानी हुई।

मानहानि के लिए एक करोड़ रुपये की मांग

आयोजक आशीष कुमार की तरफ से अधिवक्ता कलीम अहमद सिद्दीकी ने अंजली अरोड़ा और उनकी मैनेजर प्रीति दुबे को लीगल नोटिस भेजा है। नोटिस में कथित मानहानि और कानपुर की छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए एक करोड़ रुपये, जबकि आर्थिक और व्यावसायिक नुकसान के लिए 20 लाख रुपये की मांग की गई है। इस तरह कुल 1.20 करोड़ रुपये का हर्जाना मांगा गया है। नोटिस के मुताबिक, दोनों को 15 दिन के भीतर जवाब देने, हर्जाना चुकाने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने को कहा गया है।

मुंबई में बम की धमकी से हड़कंप

अमिताभ का बंगला और दिलजीत का कॉन्सर्ट निशाने पर, जांच में जुटी एजेंसियां

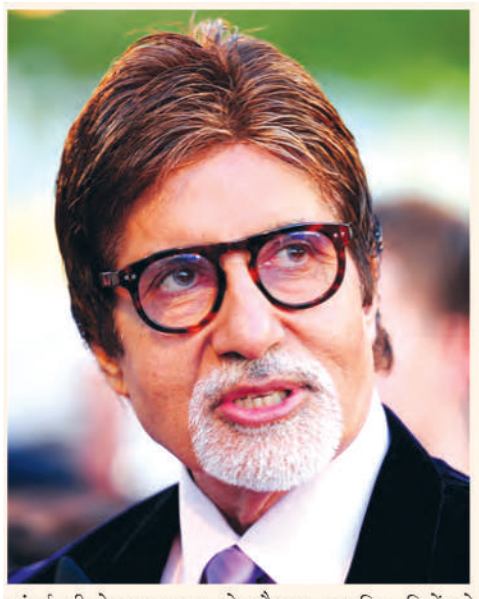

मुंबई की मेयर ऋतु तावड़े और अन्य अधिकारियों को धमकी भरा ईमेल भेजा गया है। इस ईमेल में अभिनेता अमिताभ बच्चन और गायक दिलजीत दोसांझ का भी नाम लिया गया है। एक ओर जहां बिग बी के बंगले को निशाना बनाने की धमकी दी गई है वहीं दूसरी ओर

गायक दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट में बम धमाका करने की धमकी मिली है। बता दें, दिलजीत का कॉन्सर्ट 27 नवंबर, 2026 को मुंबई में आयोजित होने वाला है। 23 अक्तूबर को सुबह 11:31 बजे भेजे गए ईमेल में मुंबई मेयर कार्यालय में रात 3:11 बजे धमाका करने की धमकी दी गई है। ईमेल में 31 अक्तूबर को मुंबई के एक स्कूल में ग्रेनेड हमले और 27 नवंबर को महालक्ष्मी रेस कोर्स में बम धमाके की धमकी दी गई है। इसके अलावा ईमेल में खालिस्तान समर्थक नारे का उल्लेख किया गया है। धमकी भरे ईमेल की जांच की जा रही है।

डीसीपी मनीष कलवानिया ने बताया कि बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को एक धमकी भरा ईमेल मिला था। जांच करने पर कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया। इसके अलावा, दादर के स्कूलों को भी धमकियां दी गई हैं।

'आलू की बोरी', माही विज ने आम्रपाली दुबे पर किया कमेंट

भड़के भोजपुरी क्वीन के फैंस, बोले- 'ये बॉडी शेमिंग है'

बिग बॉस 20 हाउस में इन दिनों भारी हंगामा मचा हुआ है। आए दिन कंटेस्टेंट एक-दूसरे से भिड़ते नजर आ रहे हैं। विवाद के बीच अक्सर कंटेस्टेंट एक-दूसरे को कुछ ऐसा कह देते हैं, जिसे लेकर विवाद खड़े हो जाते हैं। अब एक बार फिर कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया पर माही विज और आम्रपाली दुबे के बीच के झगड़े के बाद माही अपने कमेंट को लेकर चर्चा में हैं। बेडरूम एरिया में बातचीत के दौरान माही ने आम्रपाली दुबे के गेम को खारिज कर दिया और इसी दौरान उन्होंने भोजपुरी एक्ट्रेस को 'आलू की बोरी' कहते हुए उन पर कमेंट किया, जिसे लेकर अब वह खुद सोशल मीडिया यूजर्स के निशाने पर आ गई हैं।

हालिया एपिसोड में माही बेडरूम में अन्य घरवालों के साथ बैठकर बातचीत कर रही थीं, इसी दौरान आम्रपाली दुबे के शो में गेम और योगदान को लेकर चर्चा होने लगी। माही ने इस दौरान आम्रपाली के गेम पर सवाल खड़े किए और कहा कि उनका अपना कोई गेम नहीं है। इसी दौरान उन्होंने उन्हें 'आलू की बोरी' तक कह दिया। माही विज ने जिस तरह आम्रपाली दुबे के गेम को खारिज किया है, उससे साफ होता है कि वह आम्रपाली के गेम को कोई अहमियत नहीं देती हैं। लेकिन, अपने कमेंट को लेकर वह ट्रोल्स से जरूर घिर गई हैं।

आम्रपाली दुबे पर माही विज के कमेंट की हो रही आलोचना

बिग बॉस के हालिया एपिसोड में जिस तरह माही विज ने आम्रपाली दुबे पर कमेंट किया है, उसे लेकर अब उन्हें सोशल मीडिया यूजर्स ने निशाने पर ले लिया है। कई ने इसे 'बॉडी शेमिंग' के तौर पर देखते हुए कहा कि

माही का कमेंट सिर्फ आम्रपाली के गेम प्ले तक ही सीमित नहीं था, बल्कि उनके शरीर पर भी था। माही के इस कमेंट ने सोशल मीडिया यूजर्स का ध्यान एक बार फिर अपनी तरफ खींच लिया है, जिनका कहना है कि किसी के गेम की आलोचना करने के लिए इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, क्योंकि ये बॉडी शेमिंग की कैटेगरी में आता है। हालांकि, ये पहली बार नहीं है जब माही विज ने आम्रपाली दुबे के बारे में ऐसी बातें कही हैं, इससे पहले भी वह कई बार उनके लिए 'मोटी' और 'गोलगप्पा' जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर चुकी हैं।

बेटी को याद कर रहीं माही विज

दूसरी तरफ माही विज बिग बॉस हाउस में अपनी बेटी तारा को याद करके भावुक होती भी दिखीं। अरिश्फा खान से झगड़े के बाद माही इमोशनल हो गईं और बताया कि कैसे उनकी पूरी दुनिया उनकी बेटी तारा के इर्द-गिर्द घूमती है। इसी दौरान उन्होंने जय भानुशाली के साथ अपने तलाक के बारे में भी बात की और बताया कि कैसे जज ने कोर्ट में उनसे 4 बार एलिमनी के लिए कहा, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया, क्योंकि वह जानती हैं कि जय ने कितनी मुश्किल से वो पैसे कमाए हैं। इस एपिसोड के बाद जय भानुशाली ने भी एक पोस्ट साझा करते हुए एक्स वाइफ को लेकर अपना समर्थन जताया और उन्हें स्ट्रॉन्ग रहने की सलाह दी।

सैफ अली खान की फिल्म में हुई विद्या बालन की एंट्री

प्रियंका चोपड़ा लंबे वक्त बाद इंडियन सिनेमा में वापसी कर रही हैं, उनकी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' है। जिसे एस.एस राजामौली बना रहे हैं और महेश बाबू बतौर लीड एक्टर काम कर रहे हैं। इस फिल्म के अलावा उनका नाम सैफ अली खान के एक प्रोजेक्ट से भी जुड़ा था, जिसे रितेश बत्रा बना रहे हैं। यह एक पीरियड ड्रामा है, जिसके लिए प्रियंका को आना था, पर उनके दूसरे प्रोजेक्ट्स के चलते काम नहीं बन पाया। वहीं, बीते दिनों ही एक रिपोर्ट से पता लगा कि एक्ट्रेस अब फिल्म का हिस्सा नहीं होंगी। अब फिल्म की शूटिंग मुंबई में शुरू हो गई है।

इसी बीच कहा जा रहा है कि विद्या बालन ने प्रियंका चोपड़ा को रिप्लेस कर दिया है। हाल ही में 'मिड-डे' पर रिपोर्ट छपी थी। जिसमें कहा गया कि प्रियंका चोपड़ा रितेश बत्रा की आने वाली फिल्म से बाहर हो गई हैं। अब नई खबरों से पता चला है कि इस फिल्म में सैफ अली खान और विद्या बालन एक साथ नजर आएंगे। फिलहाल फिल्म का नाम फाइनल नहीं किया गया है, पर काम शुरू किया जा चुका है।

क्या होगी इस फिल्म की कहानी?

इसी रिपोर्ट में कहा गया कि, मुंबई में सैफ के साथ विद्या बालन ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। फैमिली बैकग्राउंड पर बेस्ड यह एक लव स्टोरी होगी। वहीं, इस फिल्म के जरिए सैफ अली खान और डायरेक्टर रितेश बत्रा साथ में काम कर रहे हैं। दरअसल रितेश बत्रा इससे पहले इरफान खान की पॉपुलर फिल्म 'द लंचबॉक्स' का डायरेक्शन भी कर चुके हैं।

पहले भी साथ में काम कर चुके हैं सैफ-विद्या

दरअसल सैफ अली खान और विद्या बालन ने 'परिणीता'में एक साथ काम किया, जो साल 2005 में रिलीज हुई थी। साथ ही यह विद्या की बॉलीवुड में पहली फिल्म थी। इसके बाद वो 'एकलव्यः द रॉयल गार्ड' में फिर साथ में नजर आए थे। विधु विनोद चोपड़ा की इस ड्रामा फिल्म में अमिताभ बच्चन भी शामिल थे।

'पति ऐसा हो जो थूककर चाटे ना' पवन सिंह पर ज्योति का तंज!

भोजपुरी स्टार पवन सिंह ने अपनी पूर्व गर्लफ्रेंड अक्षरा सिंह को लेकर एक यू-टर्न लिया है, जिससे इंडस्ट्री में हंगामा मच गया है। एक कार्यक्रम के दौरान, 'पावर स्टार' ने अक्षरा से माफी मांगी और उन्हें बाबू और बेटा कहकर पुकारा। उन्होंने अक्षरा के माता-पिता से भी माफी मांगी। अब पवन सिंह की पत्नी, ज्योति सिंह, इस फिल्मी घटनाक्रम से काफी नाराज दिख रही हैं। दुर्गा पूजा के दौरान, उनका एक वीडियो सामने आया है जिसमें कहा जा रहा है कि पवन सिंह की ओर वो इशारा कर रही हैं। ज्योति का एक नया वीडियो ऑनलाइन सामने आया है। इसमें वह अपनी सहेलियों के साथ सिंदूर से खेलती नजर आ रही हैं। ज्योति ने अपनी सहेलियों और बहन के साथ मिलकर 'पावर स्टार' पर निशाना साधा। ज्योति की एक सहेली ने मां दुर्गा से प्रार्थना की कि वह ज्योति के माथे को भी सिंदूर से लाल कर दें।

यह सुनकर ज्योति ने कहा, 'नहीं मां, सिंदूर तभी लगाना जब कोई अच्छा पति मिले! वरना, मैं ऐसे ही ठीक हूं। पति भले ही अमीर न हो, लेकिन उसका स्वभाव अच्छा होना चाहिए, वह वफादार होना चाहिए, और ऐसा नहीं होना चाहिए जो थूककर न चाटे।' फिर ज्योति की सहेली ने कहा, 'उसे ऐसा नहीं होना चाहिए जो थूकने के बाद चाटे।' यह सुनकर ज्योति जोर से हंस पड़ीं। उन्होंने कहा, 'उसे ऐसा इंसान होना चाहिए जो अपना आत्म-सम्मान बनाए रखे।'

ज्योति के तीखे बयान हर तरफ चर्चे में हैं। हालांकि, पवन सिंह ने अभी तक इस वीडियो पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उनका तलाक का मामला काफी समय से कोर्ट में चल रहा है, लेकिन अभी तक इसका कोई नतीजा नहीं निकला है। पवन सिंह कोर्ट में पेश नहीं होते हैं। ज्योति और उनके वकील ने कई बार इस बात पर अपनी नाराजगी जताई है।

गोविंदा: पिता को लेकर बच्चों को कौन सी सलाह नहीं देंगी सुनीता?

रिश्ते पर भी बोलीं अभिनेता की पत्नी

अभिनेता गोविंदा अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच सुनीता आहूजा ने अपने और गोविंदा के रिश्ते पर बात की है। उन्होंने कहा कि भले ही उन्हें काफी भावनात्मक पीड़ा झेलनी पड़ी हो, मगर वह कभी भी अपने बच्चों से यह नहीं कहेंगी कि वो अपने पिता से दूरी बना लें। अपनी निजी जिंदगी के बारे में बात करते हुए सुनीता आहूजा ने कहा कि वह सच बोलती रहेंगी, मामले को ईश्वर पर छोड़ देंगी और विवादों में उलझने के बजाय अपने काम पर ध्यान देंगी। सुनीता ने कहा कि वह नहीं चाहतीं कि उनके निजी संघर्षों का असर उनके बच्चों-यश और टीना और उनके पिता गोविंदा के बीच के रिश्ते पर पड़े। सुनीता ने साफ कर दिया कि चाहे उनके और गोविंदा के बीच कितने भी मतभेद क्यों न हों, वह कभी भी अपने बच्चों से अपने पिता को छोड़ने के लिए नहीं कहेंगी। टॉल टेल्स कोलकाता में आईबीएनएस से बातचीत में सुनीता ने कहा, 'मैं ऐसी

इंसान नहीं हूं, जो बच्चों से कहे कि वे अपने पिता को छोड़ दें। यह उनका अपना फैसला है। मेरा मतलब है, ऐसा कहना बेकार है क्योंकि वे उनके पिता हैं। उन्हें भी इस बारे में सोचना चाहिए। सिर्फ महिलाओं को ही क्यों सोचना चाहिए? महिलाएं डिप्रेशन में क्यों जिएं?'

सुनीता ने यह भी जोर देकर कहा कि वह आर्थिक रूप से स्वतंत्र हैं और अपनी परिस्थितियों को इस बात पर हावी नहीं होने देंगी कि वह सार्वजनिक रूप से क्या कहती हैं। उन्होंने कहा, 'कोई और मुझे पाल नहीं रहा है। मैं जो हूं, वही हूं। मैं सच बोलूंगी।' सुनीता ने गोविंदा के साथ अपने रिश्ते में आई भावनात्मक दूरी के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, 'उन्हें वहां वह खुशी मिल रही है, जो मैं उन्हें 40 वर्षों में नहीं दे पाई। शायद कोई और उन्हें यह खुशी दे रहा है। मुझे ऐसा ही लगता है। ईश्वर उनका भला करे। उन्हें खुश रहने दें। अगर हम इन चक्करों में पड़ेंगे, तो हमारी साख भी जाएगी और हमारा काम भी जाएगा।' सुनीता ने कहा कि उन्हें जनता से जो प्यार मिला है, उसके लिए वह आभारी हैं। उन्होंने कहा 'मुझे जनता से बहुत प्यार मिला है। क्योंकि मुझे नहीं लगता कि आज के दौर में कोई मेरी तरह सच बोलता है। जो किसी अच्छे इंसान को दुख पहुंचाता है, उसे भगवान देख लेंगे। दुनिया जाए भाड़ में। हम अपना काम करते रहेंगे। मेरे लिए इतना ही काफी है।' सुनीता ने अपनी बात हल्के-फुल्के अंदाज में खत्म की। उन्होंने कहा 'देखिए, मैं कितनी अच्छी अभिनेत्री हूं। जिंदगी में इतना तनाव है, फिर भी मैं हंस रही हूं, है ना?'

राखी सावंत को 2010 आत्महत्या मामले में बड़ी राहत, अब नहीं होगी गिरफ्तारी कोर्ट से गैर जामनती वारंट रद्द

एक्ट्रेस और 'बिग बॉस' फेम राखी सावंत को उत्तर प्रदेश के झांसी की एक अदालत ने बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने आत्महत्या के लिए उकसाने के कथित मामले में राखी सावंत के खलिफ जारी गैर-जमानती वारंट रद्द कर दिया है। यह मामला 2010 का है और टीवी रियलिटी शो 'राखी का इंसाफ' से जुड़ा है। बीते 16 अक्टूबर को अदालत की सुनवाई में पेश नहीं होने के कारण राखी के खलिफ यह वारंट जारी किया गया था, जिसके बाद उन पर गिरफ्तारी की तलवार लटकने लगी थी। उनके वकील ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक आदेश का हवाला देते हुए वारंट को रद्द करने की मांग की थी। झांसी की एक अदालत ने राखी सावंत के खिलाफ जारी गैर-जमानती वारंट को रद्द कर दिया। उनके वकील ने इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा जारी 'स्टे ऑर्डर' का हवाला देते हुए अदालत में एक अर्जी दाखिल की थी।

राखी सावंत से जुड़ा यह मामला 24 वर्षीय एक व्यक्ति को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपों से जुड़ा है। एक्ट्रेस की ओर से पेश वकील आशु सिंह ने बताया कि यह वारंट 16 अक्टूबर को सिविल जज (जूनियर डिवीजन) की अदालत द्वारा जारी किया गया था। राखी की कानूनी टीम ने वारंट वापस लेने के लिए एक अर्जी दाखिल की और साथ ही इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस आदेश की कॉपी भी सौंपी, जिसमें मामले की आगे की कार्यवाही पर रोक लगाई गई है। वकील ने आगे बताया कि हाई कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए, फास्ट ट्रैक कोर्ट के सिविल जज (जूनियर डिवीजन) ने वारंट को रद्द कर दिया।

इस वारंट के रद्द होने से राखी को फिलहाल राहत मिली है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मामला खत्म हो गया है। यह मामला अभी भी न्यायिक कार्यवाही के दायरे में है और इलाहाबाद हाई कोर्ट का 'स्टे ऑर्डर' अभी भी प्रभावी है।

'रावण का किरदार कोई नहीं करना चाहता'

यश की तारीफ में क्या बोलीं साई पल्लवी?

निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' को रिलीज होने में अब बस कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में मेकर्स और फिल्म की कास्ट भारत के अलग-अलग शहरों में जाकर जोर-शोर से इसका प्रमोशन कर रहे हैं। हाल ही में हैदराबाद में हुए एक इवेंट में फिल्म में 'सीता' का किरदार निभा रहीं साई पल्लवी ने फिल्म में 'रावण' की भूमिका निभाने के यश के फैसले की तारीफ की। साई पल्लवी ने कहा कि यश ने इस किरदार को पूरी तरह अपना लिया और लोगों की नफरत के बजाय उनका प्यार हासिल किया। साई पल्लवी ने कहा, 'कोई भी रावण का किरदार नहीं निभाना चाहता, क्योंकि इस किरदार के साथ नफरत जुड़ी होती है, लेकिन यश ने यह किरदार निभाया और इसके बदले सभी का प्यार जीता।'

क्यों यश ने निभाया 'रावण' का किरदार

इससे पहले एक बातचीत में यश ने बताया था कि फिल्म के सह-निर्माताओं में से एक होने के बावजूद उन्होंने भगवान राम के बजाय रावण का किरदार निभाने का फैसला क्यों किया। यश ने कहा था, 'राम की भलाई दिखाने के लिए रावण की बुराई भी तो चाहिए।' अपनी एक्टिंग पर भरोसा जताते हुए यश ने कहा, 'मुझसे अच्छी बुराई कोई दिखा नहीं सकता।' फिर जब अभिनेता से पूछा गया कि तो क्या आपने पर्दे पर बुरा आदमी बनने की जिम्मेदारी ले ली है? इसके जवाब में यश ने कहा, 'जब मैं अच्छा किरदार भी करूंगा ना, मुझसे अच्छा कोई भी नहीं होगा।' यश ने आगे कहा, 'रावण को देखकर लगना चाहिए कि इसको कैसे मारा जाए? हम सभी ने अपने अहंकार को एक तरफ रख दिया है। रामायण में बात मेरे स्टारडम या एक स्टार के तौर पर मेरी पहचान की नहीं है। इस प्रोजेक्ट पर सबसे अच्छे लोग काम कर रहे हैं।'

Printed and Published by **GANTYADA APPARAO** on behalf of **GANTYADA APPARAO**, Printed at Sri Sai Ganga Printers and Publishers Flat No: 504, Bharat Towers, 5th Lane, Dwaraka Nagar, Visakhaptanam, Andhra Pradesh-530016, and Published at H.NO: 38-4-216, MAHARANI STREET, MARRIPALEM, Visakhapatnam, Andhra Pradesh-530018, **Editor: GANTYADA APPARAO.** Mobile : 9059465965, **RNI : APHIN/26/A3657**, editorpenpower@gmail.com